दैनिक नर्मदापुरम् जिले का प्रथम दैनिक

RNI No.61546/95

क्षितिज किरण

त्वदीय पाद पंकजम् नमामि देवी नर्मदे

नर्मदापुरम् संभाग सीहोर जिले एवं जबलपुर से एक साथ प्रकाशित एकमात्र समाचार-पत्र

प्रेरणापुंज -विचित्र कुमार सिन्हा वर्ष-31 अंक-272 नर्मदापुरम (होशंगाबाद) सोमवार 08 दिसम्बर 2025 पृष्ठ-8 मूल्य -1 रूपये सम्पादक- कृष्णकान्त सक्सेना

इंडिगो की 1650 फ्लाइट्स ने पकड़ी रफ्तार, यात्रियों को रिफंड किया 610 करोड़, 3000 से ज्यादा बैग भी सौंपे

नई दिल्ली(ए.)। इंडिगो में परिचालन संकट का लगातार छठा दिन है। देश की सबसे बड़ी एयरलाइन कंपनी इंडिगो ने आज यानी रविवार को भी 650 फ्लाइट्स कैंसिल कर दी हैं। हालांकि, कंपनी आज के लिए तय 2300 डोमेस्टिक और इंटरनेशनल फ्लाइट्स में से 1650 फ्लाइट को ऑपरेट कर रही है। इसी बीच, रविवार को नागर विमानन मंत्रालय ने कहा कि इंडिगो के यात्रियों को अब तक कुल 610 करोड़ रुपये का रिफंड किया जा चुका है। इसके अलावा, इंडिगो ने देशभर में यात्रियों को उनके 3000 से ज्यादा बैग भी सौंप दिए हैं। सीईओ पीटर एल्बर्स ने रविवार को कहा कि एयरलाइन रविवार को लगभग 1650 फ्लाइट्स ऑपरेट कर रहा है और धीरे-धीरे हम सामान्य स्थिति की ओर लौट रहे हैं। उन्होंने कहा कि इंडिगो ने आज अपने सिस्टम में और भी सुधार किए हैं। सीईओ ने कहा, हम अब उड़ानें पहले चरण में ही रद्द कर रहे हैं, ताकि जिन यात्रियों की उड़ानें रद्द हो रही हैं, वे हवाई अड्डे पर न पहुंचें। आज का OTP करीब 75% रहने का अनुमान है, जो कल के 30% से काफी ज्यादा है। बताते चलें कि शनिवार को इंडिगो की 800 से ज्यादा फ्लाइट्स कैंसिल हुई थीं, जबकि शुक्रवार को कंपनी ने 1000 से भी ज्यादा उड़ानों को रद्द कर दिया था। एयरलाइन इंडिगो ने अपने अब तक के सबसे बड़े परिचालन संकट के कारण हजारों फ्लाइट्स को कैंसिल कर दिया। नए नियमों के तहत पायलटों की ड्यूटी समय सीमा में बदलाव और इंडिगो के लीन-स्टाफिंग मॉडल ने मिलकर इस भयावह संकट को जन्म दिया। दरअसल, डीजीसीए ने फ्लाई ड्यूटी टाइम लिमिट (FDTL) नियमों में बदलाव किए। नए नियमों के तहत पायलटों को हर हफ्ते दिए जाने वाले 36 घंटे के ब्रेक को बढ़ाकर 48 घंटे कर दिया गया, रात में फ्लाइट की संख्या सीमित कर 2 कर दिया गया। नए नियमों की वजह से प्रत्येक पायलट द्वारा ऑपरेट की जाने वाली फ्लाइट्स की संख्या में काफी कमी आ गई। इंडिगो ने अपने एयरबस a320 फ्लीट के लिए 2422 कैप्टन की जरूरत बताई थी, लेकिन उनके पास सिर्फ 2357 कैप्टन उपलब्ध थे और 'फर्स्ट ऑफिसर्स' की संख्या भी कम थी, जिसकी वजह से इंडिगो को रोजाना सैकड़ों फ्लाइट्स कैंसिल करनी पड़ीं।

रक्षामंत्री ने रणनीतिक महत्व की 125 परियोजनाएं राष्ट्र को सौंपी 28 सड़कें, 93 पुल शामिल

नई दिल्ली (ए.)। लद्दाख में दारबुक-श्योक-दौलत बेग ओल्डी रोड पर निर्मित, 900 मीटर लंबी श्योक टनल शुरू की गई है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने लद्दाख में श्योक टनल के साथ-साथ यहां से सीमा सड़क संगठन की 125 रणनीतिक महत्व की अवसंरचना परियोजनाओं को राष्ट्र को समर्पित किया है। इन परियोजनाओं में 28 सड़कें, 93 पुल और 04 अन्य सामरिक अवसंरचना परियोजनाएं शामिल हैं। ये परियोजनाएं 7 राज्यों और 2 केंद्र शासित प्रदेशों में फैली हुई हैं। 920 मीटर लंबी श्योक टनल को रक्षा मंत्री ने दुनिया के सबसे कठिन और चुनौतीपूर्ण इलाकों में निर्मित इंजीनियरिंग मार्वल बताया।

कोलकाता के ब्रिगेड परेड मैदान में लाखों लोगों ने पढ़ी गीता, राज्यपाल बोले - धार्मिक अहंकार खत्म करने का समय आ गया

कोलकाता, (ए.)। कोलकाता के ऐतिहासिक ब्रिगेड परेड मैदान में रविवार को लाखों की संख्या में जुटे लोगों ने सामूहिक तौर पर गीता पाठ कर इतिहास रच दिया है। कार्यक्रम में कथावाचक धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री (बागेश्वर बाबा), साध्वी ऋतंभरा और स्वामी ज्ञानानंद मौजूद थे। कार्यक्रम का आयोजन सनातन संस्कृति संसद की ओर से किया गया था, जिसके अध्यक्ष कार्तिक महाराज, स्वामी निर्गुणानंद और अन्य साधु-संतों ने कार्यक्रम में मुख्य भूमिका निभाई है। इस अवसर पर पश्चिम बंगाल के राज्यपाल डॉक्टर सीवी आनंद बोस भी उपस्थित हुए।इस अवसर पर राज्यपाल ने कहा कि राज्य धार्मिक अहंकार खत्म करने को तैयार है। ब्रिगेड परेड ग्राउंड में आयोजित गीता पाठ कार्यक्रम में उन्होंने मुर्शिदाबाद में शनिवार को हुई एक घटना का जिक्र करते हुए यह टिप्पणी की। इस घटना का संदर्भ न देते हुए उन्होंने केवल इतना कहा कि उन्होंने मुर्शिदाबाद में कुछ होते हुए देखा है।

बाइक समेत नर्मदा नहर में गिरा परिवार

मां की मौत, 2 साल की बच्ची और पिता को खेत में मिर्च तोड़ रहे किसानों ने बचाया, पगड़ी रस्म से लौट रहे थे

खरगोन (आरएनएस)। मध्य प्रदेश के खरगोन में रविवार को दर्दनाक हादसा हो गया। जहां एक बाइक अनियंत्रित होकर नर्मदा नहर में गिर गई। हादसे में एक महिला की मौत हो गई। घटना जैतापुर थाना क्षेत्र की है।

दरअसल, पुरुषोत्तम यादव अपनी पत्नी ज्योति और 2 साल की बेटी के साथ पगड़ी रस्म में शामिल होने रामपुरा गए हुए थे। वापसी के दौरान ठीबगांव और रामपुरा गांव स्थित नर्मदा नहर में उनकी बाइक अनियंत्रित हो गई और नहर में गिर गई।

गनीमत है कि इस दौरान मौके पर किसान और मजदूर खेत में मिर्च तोड़ रहे थे। उन्होंने जैसे ही बाइक को गिरते हुए देखा, कड़ी मशक्कत कर सभी को निकाला। लेकिन 28 साल की ज्योति यादव की सांसें थम गई थीं।हादसे के बाद बच्ची और पिता को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

पुरुषोत्तम यादव का ICU में इलाज जारी है। वहीं बच्ची को PIC में भर्ती किया गया, लेकिन गंभीर हालत की वजह से उसे इंदौर रेफर कर दिया गया है।

नॉर्थ गोवा जिले के बम्बोलिम में एक नाइट क्लब में सिलेंडर ब्लास्ट की वजह से आग लगने के बाद पीड़ितों के परिवार वाले और रिश्तेदार गोवा मेडिकल कॉलेज और हॉस्पिटल के बाहर इंतज़ार कर रहे हैं।

दर्दनाक हादसा : गोवा के नाइट क्लब में लगी भीषण आग, 25 लोग जिंदा जले

पणजी (ए.)। गोवा में अरपोरा के नाइट क्लब में शनिवार दरमियानी रात भीषण आग लग गई, जिसमें 25 लोगों की मौत हो गई। इस दर्दनाक हादसे के बाद मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत ने घटनास्थल का दौरा किया और मामले की जांच के आदेश दिए। मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर हादसे पर दुख जताया। उन्होंने कहा कि आज गोवा में हम सभी के लिए बहुत दुखद दिन है। मैं बहुत दुखी हूं और इस असहनीय नुकसान की घड़ी में सभी पीड़ित परिवारों के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त करता हूं। मुख्यमंत्री ने इस घटना के लिए जिम्मेदार लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने का आदेश दिया।सीएम ने कहा कि यह पता लगाया जाएगा कि आग से सुरक्षा के नियमों और बिल्डिंग नियमों का पालन किया गया था या नहीं। जो भी दोषी पाए जाएंगे, उनके खिलाफ कानून के तहत कड़ी से कड़ी कार्रवाई की जाएगी। किसी भी लापरवाही से सख्ती से निपटा जाएगा।मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत ने बताया कि प्रधानमंत्री मोदी ने अरपोरा में हुई दुखद आग की घटना के बारे में उनसे बात की और उन्होंने प्रधानमंत्री को जमीनी हालात के बारे में बताया। गोवा सरकार इस मुश्किल समय में प्रभावित परिवारों को हरसंभव मदद दे रही है।कई केंद्रीय मंत्रियों ने भी गोवा हादसे पर दुख जताया है। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने एक्स पर लिखा, गोवा के आरपोरा में आग लगने से हुई मौतों का हादसा बहुत दुखद है। लोकल एडमिनिस्ट्रेशन बचाव और राहत काम कर रहा है और प्रभावित लोगों को जरूरी देखभाल दे रहा है।

जिन लोगों की जान गई है, उनके परिवारों के प्रति मेरी गहरी संवेदनाएं हैं और घायलों के जल्द ठीक होने की प्रार्थना करता हूं। रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने लिखा, गोवा के अरपोरा में आग लगने से हुई मौतों से बहुत दुख हुआ। जिन लोगों ने अपने प्रियजनों को खो दिया है, उनके प्रति मेरी संवेदनाएं। घायल लोग जल्द ठीक हों।

उज्जैन में महाकाल मंदिर की ऑनलाइन बुकिंग 25 दिसंबर से होगी बंद, नए साल पर बदली जाएगी दर्शन व्यवस्था

उज्जैन (ए.)। विश्व प्रसिद्ध श्री महाकालेश्वर मंदिर में नए साल 2026 के अवसर पर बढ़ने वाली श्रद्धालुओं की भीड़ को ध्यान में रखते हुए बड़ा निर्णय लिया गया है। मंदिर समिति ने घोषणा की है कि 25 दिसंबर से 05 जनवरी 2026 तक ऑनलाइन बुकिंग पूरी तरह बंद रहेगी। इस दौरान भक्त केवल ऑफलाइन माध्यम से ही भस्म आरती और अन्य दर्शन की अनुमति प्राप्त कर सकेंगे। इसलिए यदि इन तारीखों में दर्शन का कार्यक्रम बना रहे हैं, तो समय से पूर्व योजना बनाना आवश्यक होगा।मंदिर समिति के अनुसार, 31 दिसंबर से दो जनवरी के बीच करीब 10 लाख से अधिक श्रद्धालुओं के उज्जैन आने की संभावना है। भीड़ प्रबंधन, सुरक्षा और दर्शन व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने के लिए यह निर्णय लिया गया है। समिति का मानना है कि ऑफलाइन व्यवस्था के माध्यम से भीड़ पर बेहतर नियंत्रण रखा जा सकेगा।

नए साल पर दर्शन मार्ग में बड़ा बदलाव

वर्ष 2026 में महाकाल मंदिर परिसर में दर्शन व्यवस्था भी बदल दी जाएगी। नई व्यवस्था के अनुसार भक्तों की एंट्री त्रिवेणी संग्रहालय से होगी, वहां से महाकाल लोक के दर्शन करते हुए मानसरोवर तक पहुंचेंगे। इसके बाद टनल मार्ग से होते हुए गणेश मंडपम में दर्शन करेंगे और अंत में एग्जिट टनल से बछड़ा गणेश मंदिर के सामने बाहर निकलेंगे। इस दौरान केवल ऑफलाइन पंजीकरण के आधार पर एंट्री मिलेगी। श्रद्धालुओं को एक दिन पहले पहुंचकर फॉर्म भरना होगा। परमिशन भी भीड़ की संख्या के आधार पर दी जाएगी, इसलिए पहले आओ पहले पाओ की स्थिति रहेगी।

नए साल में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं की आमद को देखते हुए मंदिर समिति ने लड्डू प्रसादी की मात्रा भी बढ़ाने का फैसला किया है। आम दिनों में जहां 30 से 40 क्विंटल लड्डू बनते हैं, वहीं नववर्ष के दौरान 50 क्विंटल से अधिक प्रसादी तैयार की जाएगी, ताकि किसी भक्त को प्रसाद के लिए परेशान न होना पड़े।

क्रिकेटर स्मृति मंधाना की शादी टूटी, इंस्टा पोस्ट में लगाया अफवाहों पर विराम

नई दिल्ली (ए.)। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की स्टार बल्लेबाज एवं उपकप्तान स्मृति मंधाना और संगीतकार पलाश मुच्छल की शादी आखिरकार टूट गई है। दोनों ने अपनी निजी जिंदगी को लेकर चल रही अफवाहों पर विराम लगाते हुए रविवार को शादी रद्द होने की जानकारी इंस्टाग्राम स्टोरी में एक सार्वजनिक बयान के माध्यम से दी।सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर अपनी पोस्ट में मंधाना ने लिखा, पिछले कुछ हफ्तों से मेरी जिंदगी को लेकर कई तरह की अटकलें लगाई जा रही हैं और मुझे लगता है कि इस समय मेरे लिए खुलकर बोलना जरूरी है। मैं बेहद निजी इंसान हूं और मैं इसे इसी तरह रखना चाहती हूं, लेकिन यह स्पष्ट कर देना चाहती हूं कि शादी रद्द कर दी गई है। मैं इस मामले को यहीं खत्म करना चाहती हूं और आप सभी से भी यही करने की अपील करती हूं।

जो कानून की राह अपनाते हैं, उनके पुनर्वास की चिंता सरकार करेगी : सीएम डॉ.मोहन यादव

मुख्यमंत्री डॉ. यादव के समक्ष बालाघाट में 10 इनामी नक्सलियों ने किया समर्पण

भोपाल (ए.)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में नक्सलवाद के सफ़ाये की दिशा में एक बड़ी सफलता मिली है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव के समक्ष बालाघाट में रविवार को 10 नक्सलियों ने आत्म समर्पण किया, जिनमें 4 महिला नक्सली भी शामिल हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने उन्हें संविधान की प्रति प्रदान कर मुख्यधारा से जोड़ा। आत्म समर्पण करने वाले नक्सलियों ने अपने हथियार मुख्यमंत्री को सौंपे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह द्वारा निर्धारित लक्ष्य के अनुरूप सरकार जनवरी 2026 तक मध्यप्रदेश को नक्सल मुक्त करने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि एक भी व्यक्ति को हथियार उठाने की अनुमति नहीं है। मुख्यमंत्री ने नक्सलियों से आह्वान किया कि वे सरकार की पुनर्वास नीति अपनाएं। सरकार उनके जीवन को सुरक्षित करने, विकास सुनिश्चित करने और उन्हें समाज की मुख्यधारा से जोड़ने के लिए हर संभव प्रयास करेगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने अधिकारियों और जवानों की हौसला अफजाई करते हुए कहा कि एंटी नक्सल अभियान को लगातार सशक्त और सुदृढ़ किया जा रहा है। प्रदेश में 15 नवीन अस्थायी कैंप और विशेष सहयोगी दस्ता के 882 पद स्वीकृत किए गए हैं। सतत निगरानी, सघन जांच और कार्रवाइयों से प्रदेश में नक्सली दायरा तेज़ी से घटा है। उन्होंने कहा कि पुनर्वास के लिए नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में पिछले वर्ष 46 एकल सुविधा केंद्र खोले गए। इन केंद्रों के माध्यम से रोजगार, वन अधिकार पत्र और अन्य आवश्यक सेवाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने शहीद आशीष शर्मा की वीरता को नमन करते हुए कहा कि कर्तव्यपथ में उत्कृष्टता से कार्य करने वाले 328 हॉक फोर्स सहित पुलिस अधिकारियों को आउट ऑफ टर्न प्रमोशन दिया गया है। उन्होंने कहा कि जो कानून की राह अपनाते हैं, उनकी पुनर्वास की चिंता सरकार की है। डीजीपी कैलाश मकवाना ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. यादव के नेतृत्व में एंटी नक्सल अभियान को सशक्त किया गया है। नए कैंप स्थापित किए गए हैं, हॉक फोर्स और पुलिस बल में वृद्धि की गई है। साथ ही अधिकारियों और जवानों को सतत प्रोत्साहन दिया जा रहा है। इन कार्रवाइयों के सकारात्मक परिणाम सामने आए हैं। मध्यप्रदेश सहित अन्य राज्यों में भी नक्सल समर्पण लगातार बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि रोजगार और स्किल डेवलपमेंट के प्रयासों से नक्सल प्रभावित क्षेत्रों के युवाओं और नागरिकों को मुख्यधारा से जोड़ने की दिशा में उल्लेखनीय प्रगति हुई है। मध्यप्रदेश पुलिस निर्धारित समय-सीमा में नक्सल मुक्ति के लिए प्रतिबद्ध है।

मप्र के कूनो राष्ट्रीय उद्यान के जंगल से सड़क पर आए दो चीतों में से एक को अज्ञात वाहन ने कुचला, मौत

ग्वालियर,(ए.)। मध्य प्रदेश के श्योपुर जिले में स्थित कूनो राष्ट्रीय उद्यान में स्वच्छंद घूम रहे दो चीते रविवार को जंगल से निकलकर सड़क पर आ गए। इसी दौरान आगरा-मुंबई नेशनल हाइवे (शिवपुरी लिंक रोड) पर घाटीगांव सिमरिया मोड़ पर एक तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने एक चीते को कुचल दिया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई।

सूचना मिलते ही घाटीगांव थाना पुलिस और वन विभाग के अफसरों ने मौके पर पहुंचकर घटनास्थल को निगरानी में ले लिया है। चीते के शव को कूनो पहुंचाया जा रहा है, जहां, एक्सपर्ट्स का पैनल पोस्टमॉर्टम करेगा। वहीं, वन विभाग की टीम दूसरे चीते की तलाश मे जुट गई है।कूनो के खुले जंगल में विचरण के लिए छोड़े गए दो चीते रविवार सुबह करीब 5 से 6 बजे के बीच सड़क पर आ गए थे। सैटेलाइट कॉलर आईडी से लगातार चीतों पर नजर रखी जा रही थी। जैसे ही सड़क हादसा हुआ, कूनो के अधिकारियों की इसकी सूचना मिल गई और वे तत्काल मौके पर पहुंच गए। इस दौरान घटनास्थल पर भारी भीड़ जमा हो गई, लेकिन वन विभाग के अधिकारियों ने पुलिस तक को पास नहीं आने दिया। पूरी कार्रवाई वन विभाग के अधिकारी ही कर रहे हैं। बताया गया है कि जिस चीते की मौत हुई है, उसका नाम नाम केजीबी-3 (मादा) है। उसका जन्म कूनो नेशनल पार्क में ही हुआ था। यह गामिनी का शावक बताया जा रहा है।वन विभाग के अधिकारियों ने बताया कि गामिनी नामक मादा चीता के दो शावक केजीबी-3 और केजीबी-4 कूनो के जंगल से निकलकर घाटीगांव के जंगल में पहुंच गए थे। दोनों की लोकेशन घाटीगांव के सिमरिया मोड के आसपास आ रही थी। कूनो से वन विभाग की टीम लगातार उनका पीछा कर रही थी। शनिवार शाम को सिमरिया इलाके में एक गाय पर दोनों चीतों ने हमला किया था, जिसमें गाय की मौत हो गई थी। तभी से वन विभाग की टीम उन पर नजर रख रही थी। रविवार तड़के 5 बजे के लगभग वह घाटीगांव के जंगल से निकलकर आगरा-मुंबई नेशनल हाइवे पर सड़क पार कर दूसरी तरफ जा रहे थे कि तभी एक तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने एक चीता को टक्कर मार दी।

पूर्वी लद्दाख में सेना के लिए खोली गई 12 हजार फीट से अधिक ऊंचाई पर बनी श्योक टनल

- रक्षा मंत्री ने श्योक नदी क्षेत्र के पास बनाई गई रणनीतिक सुरंग का किया उद्घाटन

नई दिल्ली,(ए.)। पूर्वी लद्दाख में 12 हजार फीट से अधिक ऊंचाई पर बनाई गई श्योक टनल रविवार को सेना के लिए खोल दी गई। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने आज इसका उद्घाटन किया, जिसके बाद पूर्वी लद्दाख के डेपसांग-डीबीओ सेक्टर तक भारतीय सेना की पहुंच अब ज्यादा तेज, सुरक्षित और सुगम हो जाएगी। भारी बर्फबारी में भी सैनिक, हथियार व लॉजिस्टिक मूवमेंट की गति कई गुना बढ़ेगी, जिससे संवेदनशील एलएसी क्षेत्रों में परिचालन तत्परता और मजबूत होगी।पूर्वी लद्दाख में श्योक नदी क्षेत्र के पास बनाई गई श्योक टनल रणनीतिक सुरंग है, जो दर्बुक-श्योक-दौलत बेग ओल्डी रोड को हर मौसम में जोड़ने के लिए बनाई गई है। यह 322 किलोमीटर लंबी दर्बुक-श्योक-दौलत बेग ओल्डी रोड का हिस्सा है, जो भारतीय सेना की सबसे रणनीतिक सप्लाई लाइनों में से एक है। यह सड़क चीन सीमा पर वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) के बेहद करीब जाती है, इसलिए यह सुरंग सेना के लिए बेहद अहम है। पहाड़ों के ऊंचे दर्रे अक्सर सर्दियों में भारी बर्फबारी और हिमस्खलन की वजह से बंद हो जाते हैं, जिससे सैनिकों और सामान की आपूर्ति पर असर पड़ता है।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति, राज्य के कौशल, नवाचार और सांस्कृतिक पुनर्जागरण का है आधार : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

क्वांटम कम्प्यूटिंग और एआई जैसे न्यूज ऐज स्किल्स का प्रदेश में विस्तार आवश्यक

भोपाल (ए.)। राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल के मुख्य आतिथ्य और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020: क्रियान्वयन, चुनौतियां एवं संभावनाएं विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला कुशाभाऊ ठाकरे सभागार में राष्ट्रगान की धुन के साथ आरंभ हुई। कार्यशाला में केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान, प्रदेश के उच्च शिक्षा मंत्री इंदर सिंह परमार, स्कूल शिक्षा मंत्री उदय प्रताप सिंह, अल्पसंख्यक एवं पिछड़ा वर्ग कल्याण राज्यमंत्री(स्वतंत्र प्रभार) श्रीमती कृष्णा गौर विशेष रूप से उपस्थित थीं। राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल ने कहा है कि मध्यप्रदेश को शिक्षा-परिवर्तन की दिशा में देश का अग्रणी राज्य बनाने के लिए नीति की दिशा, लक्ष्य और समन्वित कार्य-संस्कृति के द्वारा प्रयास करने होंगे। युवाओं के द्वारा प्रदेश और देश समाज को बदलने के विश्वास का प्रतीक राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 है। यह भारत के भविष्य को नई दिशा देने की दूरदर्शी कार्ययोजना है, जिसका मूल स्वभाव 'समग्रता' है। उन्होंने नीति के लक्ष्यों समग्र शिक्षा, समग्र विकास और समग्र राष्ट्र-निर्माण से जुड़ी चुनौतियों और मध्यप्रदेश की विशेष परिस्थितियों में उपलब्ध संभावनाओं पर प्रभावी क्रियान्वयन के लिए सामूहिक विचार की पहल की सराहना की।

राज्यपाल श्री पटेल ने कहा कि नीति के एकीकृत स्नातक कार्यक्रम, बहु-प्रवेश-बहु-निर्गम व्यवस्था, शैक्षणिक बैंक ऑफ क्रेडिट और अनुसंधान-केंद्रित वातावरण आदि प्रावधान उच्च शिक्षा को अधिक लचीला, आधुनिक और वैश्विक प्रतिस्पर्धात्मकता से समृद्ध बनाने का अवसर है। इसके लिए प्रदेश के उच्च शिक्षण संस्थानों को नवाचार, गुणवत्तापूर्ण संकाय विकास, डिजिटल अवसंरचना और उद्योग-शिक्षा सहभागिता के सुदृढ़ीकरण के कार्य समयबद्ध तरीके से करने होंगे। विद्यालयीन शिक्षा में बच्चों को मातृभाषा में अनुभवात्मक शिक्षण के द्वारा मूलभूत साक्षरता और संख्यात्मक ज्ञान देने के लिए शिक्षक-प्रशिक्षण, आधुनिक तकनीक और नवाचारशील पद्धतियों के द्वारा विद्यालय तंत्र को अग्रणी बनाना होगा।

राज्यपाल श्री पटेल ने कहा कि 21वीं सदी के लिए विद्यार्थियों को तैयार करने के लिए कृत्रिम बुद्धिमत्ता के द्वारा कौशल-निर्माण, डिजिटल साक्षरता और सेल्फ-लर्निंग के नए आयामों को प्राप्त करने के लिए आउट ऑफ द बॉक्स सोच के साथ कार्य करना होगा। यह भी समझना होगा कि नीति का सफल क्रियान्वयन केवल प्रशासनिक कदम नहीं, बल्कि एक संयुक्त राष्ट्रीय प्रयास है।

राज्यपाल श्री पटेल ने कहा कि सोच से ही बदलाव होता है। उन्होंने गुजरात राज्य की योजना दूध संजीवनी का उल्लेख करते हुए बताया ?कि विद्यालय में बच्चों को दूध वितरण की पहल से कुपोषण दूर होने के साथ ही विद्यालय में बच्चों की उपस्थिति भी नियमित हो गई। उन्होंने कहा कि बच्चों को स्कूल भेजकर उन्हें शिक्षकों की जिम्मेदारी मानना उचित नहीं है। बच्चों के विकास में पालकों का भी दायित्व महत्वपूर्ण है।

संक्षिप्त-समाचार

रन भोपाल रन में हजारों प्रतिभागियों ने दमदार दौड़ लगाई

भोपाल (आरएनएस)। राजधानी में रविवार सुबह फिटनेस का जुनून चरम पर दिखा। 'दौड़ हिंदुस्तान के दिल लिए' टैगलाइन के साथ आयोजित 11वें रन भोपाल रन में इस बार भी हजारों प्रतिभागियों ने दमदार दौड़ लगाई। हर आयु वर्ग के लोगों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और स्वास्थ्य, पर्यावरण संरक्षण व स्वच्छता का संदेश दिया।इवेंट के मुख्य उद्देश्य- स्वच्छ भारत, कार्बन फुटप्रिंट कम करना, जीरो वेस्ट अभियान, ऑर्गन डोनेशन, तंबाकू त्याग और रीयूज-रिसाइकिल-रिड्यूस सिद्धांत को बढ़ावा देना रहा। कार्यक्रम का फ्लैग ऑफ टीटी नगर स्टेडियम में चिकित्सा शिक्षा मंत्री विश्वास सारंग ने किया। उन्होंने कहा- रन भोपाल रन, भोपालवासियों के जज्बे का प्रतीक है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के फिट इंडिया-हिट इंडिया अभियान को इससे और मज़बूती मिलेगी। सारंग के मुताबिक, शहर के हजारों नागरिकों ने दौड़कर स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता का मजबूत संदेश दिया है।

तीन कैटेगरी में हुई प्रतियोगिता-21 किमी हाफ मैराथन

रूट : टीटी नगर स्टेडियम, प्लैटिनम प्लाजा, जवाहर चौक, भदभदा रोड, पलाश रेजिडेंसी, पॉलिटेक्निक चौराहा, वीआईपी रोड, कोहेफिजा तक यू-टर्न, भारत भवन, मानव संग्रहालय, श्यामला हिल्स से जवाहर चौक होते हुए समापन टीटी नगर स्टेडियम में

10 किमी दौड़ : टीटी नगर, मॉडल स्कूल, प्लैटिनम प्लाजा, अटल पथ, जवाहर चौक, भदभदा रोड, साइंस सेंटर,पॉलिटेक्निक स्क्वायर यू-टर्न, टीटी नगर स्टेडियम

5 किमी दौड़ – : टीटी नगर स्टेडियम, प्लैटिनम प्लाजा, अटल पथ जवाहर चौक यू-टर्न, वापसी टीटी नगर स्टेडियम

प्रतिभागियों को प्रोत्साहित करने के लिए आयोजन स्थल पर ढोल-डीजे और जुम्बा सेशन भी हुआ। शहर के अलग-अलग इलाकों से आए धावकों की ऊर्जा ने सुबह को बेहद रोमांचक बना दिया।

परख एप उपयोग के संबंध में संभागीय अधिकारी का प्रशिक्षण आज

भोपाल (आरएनएस)। संयुक्त आयुक्त (विकास) डॉ. विनोद यादव ने बताया कि परख एप के उपयोग के संबंध में 08 दिसम्बर को सायं 5 बजे संभागायुक्त कार्यालय के सभागार में प्रशिक्षण का आयोजन किया गया है।प्रशिक्षण में समस्त संभागीय अधिकारियों को अपने विभाग से संबंधित अधीनस्थ संस्थाओं के निरीक्षण हेतु परख एप का उपयोग किये जाने हेतु निर्देशित किया गया है। प्रशिक्षण में समस्त संभागीय अधिकारियों को अनिवार्य रूप से उपस्थित रहने के निर्देश दिए है।

संभागायुक्त की अध्यक्षता में डिस्ट्रिक्ट जीआईएस प्रोजेक्ट की बैठक आज

भोपाल (आरएनएस)। संभागायुक्त संजीव सिंह की अध्यक्षता में डिस्ट्रिक्ट जीआईएस प्रोजेक्ट क्रियान्वयन के संबंध में 08 दिसम्बर को सायं 4 बजे से संभागायुक्त कार्यालय के सभागार में बैठक आयोजित की गई है।संयुक्त आयुक्त (विकास) डॉ. विनोद यादव ने बताया कि विभाग से संबंधित परिसंपत्तियों की जानकारी तथा अभी तक डिस्ट्रिक्ट जीआईएस पोर्टल पर मेपिंग की स्थिति की जानकारी के साथ चर्चा हेतु बैठक में उपस्थित रहने के निर्देश दिए हैं।

हाइब्रिड मोड मेडिएशन ट्रेनिंग प्रोग्राम का एक दिवसीय रोल प्ले सेशन आयोजित

भोपाल (आरएनएस)। मध्यप्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, जबलपुर के निर्देशानुसार एवं प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश,भोपाल मनोज कुमार श्रीवास्तव के मार्गदर्शन में होटल पलाश रेजिडेंसी, टीटी नगर,भोपाल में 40 घंटे के हाइब्रिड मोड मेडिएशन ट्रेनिंग प्रोग्राम का एक दिवसीय रोल प्ले सेशन आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि मनोज कुमार श्रीवास्तव, प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश भोपाल द्वारा सत्र का उद्घाटन किया गया। प्रतिभागियों में मध्य प्रदेश राज्य के 18 जिलों से सम्माननीय प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश गण एवं तहसील विधिक सेवा समितियां के अध्यक्ष/जिला न्यायाधीश एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव/न्यायाधीश उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन सुनीत अग्रवाल न्यायाधीश/सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा किया गया। इस अवसर पर भारत रघुवंशी न्यायाधीश, जिला कोर्ट भोपाल भी उपस्थित रहे। दिल्ली की अनुजा सक्सेना एवं जबलपुर के शाहिद, द्वारा मास्टर ट्रेनर्स के तौर पर प्रतिभागियों को मध्यस्थता के गुर सिखाए गए। अभी तक मध्यस्थ कार्यक्रम 40 घंटे के होते थे जो 5 दिन तक चलते थे जिनमें प्रतिभागियों को भौतिक रूप से उपस्थित होना पड़ता था परंतु यह पहली बार है जब हाइब्रिड मोड़ से प्रशिक्षण का कुछ भाग वर्चुअल आयोजित किया गया है और कुछ भाग भौतिक रूप से उपस्थित होकर संपन्न किया गया है। न्यायाधीशगण के पास समय के भाव एवं अदालतो में कार्य अधिकता के कारण यह नई प्रक्रिया अपनाई गई है।

70 लाख रुपये की लागत से वार्ड क्रमांक 11 में होंगे विभिन्न विकास कार्य

भोपाल (आरएनएस)। सांसद आलोक शर्मा व महापौर मालती राय ने वार्ड क्र. 11 के अंतर्गत विभिन्न विकास कार्यों हेतु भूमिपूजन किया। लगभग 70 लाख रूपये की लागत से वार्ड क्र. 11 के विभिन्न क्षेत्रों में विकास कार्य कराये जा रहे हैं। सांसद आलोक शर्मा व महापौर मालती राय ने रविवार को वार्ड क्र. 11 के अंतर्गत शाहजहांनाबाद रेजीमेंट रोड पर विभिन्न विकास कार्यों हेतु विधिवत भूमिपूजन किया। वार्ड क्र. 11 में 70 लाख रूपये की लागत से सीमेंट कांक्रीटीकृत सड़कों, नालियों सहित अन्य विकास कार्य कराये जा रहे हैं। भूमिपूजन अवसर पर स्थानीय पार्षद अनिता कनर्जी, पार्षद शैलेष साहू, पूर्व पार्षद महेश मकवाना व मेवालाल कनर्जी, सांसद प्रतिनिधि राकेश कुकरेजा सहित बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक मौजूद थे।

फर्नीचर की दुकान में लगी आग, लाखों का माल जला

भोपाल (ए)। राजधानी के छोला मंदिर थाना इलाके में बीती रात उस समय हड़कंप मच गया जब एक फर्नीचर की दुकान में अचानक आग लग गई। जानकारी के मुताबिक खेजड़ा में स्थित फर्नीचर की दुकान को तेजी से फैलती आग ने देखते ही देखते पूरी तरह अपनी चपेट में ले लिया। गनीमत रही कि यहां मौजूद कर्मचारियों ने सही समय पर दुकान से बाहर कूद कर अपनी जान बचा ली, वरना बड़ा हादसा हो सकता था। आसपास के लोगों ने इसकी सूचना पुलिस और फायर ब्रिगेड को दी। मौके पर पहुंची फायर ब्रिगेड ने काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया लेकिन तब तक करीब 10 लाख का माल जल कर राख हो चुका था। बताया जा रहा है कि आग शॉर्ट सर्किट के कारण लगी और दुकान में सारा लकड़ी का सामान होने के कारण तेजी से भड़क गई। फिलहाल घटना में आगे की जांच की जा रही है।

विश्वविख्यात तानसेन संगीत समारोह का 101वॉ संस्करण 15 से 19 दिसम्बर, 2025 तक

भोपाल (ए.)। विश्वविख्यात तानसेन संगीत समारोह का 101वॉ संस्करण 15 से 19 दिसम्बर, 2025 तक तानसेन समाधि स्थल, ग्वालियर में आयोजित किया जाएगा। संस्कृति, पर्यटन और धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) धर्मेंद्र भाव सिंह लोधी ने बताया कि संगीत-शिरोमणि तानसेन की पावन स्मृति और उनकी अलौकिक संगीत-परंपरा को अक्षुण्य बनाए रखने के उद्देश्य से मध्यप्रदेश शासन, संस्कृति विभाग द्वारा प्रतिवर्ष विश्व-स्तरीय संगीत समागम तानसेन समारोह का भव्य आयोजन किया जाता है।

श्रीमति सावित्री सक्सेना जी पंच तत्व में विलीन

भोपाल (निप्र)। श्रीमती सावित्री सक्सेना जी का निधन लंबी बिमारी के कारण हो गया। जो कि स्वर्गीय श्री रमाशंकर सक्सेना जी की अर्धांगिनी थी। श्रीमती सक्सेना जी की अंतिम यात्रा दिनांक 7 दिसंबर 2025 दिन रविवार समय सुबह 11.30 बजे उनके निज निवास फ्लैट नंबर 204 आलयम रेजिडेंसी सूर्य कॉलोनी सी सेक्टर कोलार रोड भोपाल से भदभदा विश्राम घाट के लिये निकली गई जहां उनका अंतिम संस्कार किया गया। उनकी अंतिम यात्रा में परिवार, रिश्तेदार सहित सगे संबंधी उपस्थित रहे।

बच्चों में सीखने की ललक बढ़ाने के लिये शिक्षक प्राप्त करते रहें नई-नई जानकारी: केन्द्रीय शिक्षा मंत्री श्री प्रधान

भोपाल (निप्र) । केन्द्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान ने कहा है कि बच्चों के व्यक्तित्व का बहुआयामी विकास हो, इसके लिये जरूरी है कि उन्हें मातृभाषा में पढ़ने के लिये प्रेरित किया जाएं। उन्होंने कहा कि बच्चों को पढ़ाई गई बातें समझने में मातृभाषा ज्यादा कारगर होती है। नई शिक्षा नीति में मातृभाषा में अध्ययन को प्राथमिकता दी गई है। केन्द्रीय शिक्षा मंत्री श्री प्रधान रविवार को भोपाल के शासकीय कमला नेहरू सांदीपनि विद्यालय टी.टी. नगर के निरीक्षण के बाद शिक्षकों से चर्चा कर रहे थे। इस मौके पर उच्च शिक्षा मंत्री श्री इंदर सिंह परमार और विधायक भगवानदास सबनानी भी उनके साथ थे।केन्द्रीय शिक्षा मंत्री श्री प्रधान ने सांदीपनि विद्यालय की कक्षाओं में जाकर बच्चों से संवाद किया। उन्होंने बच्चों की पाठ्यपुस्तकों को देखा और बच्चों से पढ़ाई के संबंध में बात की। मंत्री श्री प्रधान के विद्यालय पहुँचने पर छात्राओं ने बैंड की धुनों पर उनका स्वागत किया। उन्होंने आर्ट गैलरी, पुस्तकालय, बच्चों की मार्शल आर्ट वुशु के अभ्यास को देखा और विद्यालय के म्यूजिक रूम का भ्रमण किया। उन्होंने बच्चों द्वारा देशभक्ति गीत पर प्रस्तुत धुनों को सुना और उसकी प्रशंसा की। मंत्री श्री प्रधान विद्यालय की अटल टिकरिंग लैब में भी गए। वहां उन्होंने बच्चों द्वारा बनाए गए साइंस मॉडल के बारे में जानकारी प्राप्त की। साइंस मॉडल और रोबोटिक्स लैब के उपकरणों के बारे में भी जानकारी प्राप्त की। मंत्री श्री प्रधान ने विद्यालय के ऑडिटोरियम को भी देखा और उन्होंने शिक्षकों से कहा कि वे बच्चों को पढ़ाई के साथ-साथ विभिन्न खेलकूद, संगीत और साहित्यिक गतिविधियों के प्रति भी प्रेरित करें। केन्द्रीय शिक्षा मंत्री श्री प्रधान ने कहा कि बच्चों को पोषण आहार मिले, इसके लिये जन-भागीदारी के प्रयास किये जायें। मंत्री श्री प्रधान ने पालकों से भी संवाद किया। उन्होंने कहा कि पालक निरंतर स्कूल पहुँचकर बच्चों के बारे में जानकारी प्राप्त करते रहें। पालकों और शिक्षकों के समन्वय से ही बच्चों का सम्पूर्ण विकास हो सकेगा। उन्होंने शिक्षकों को प्रारंभिक कक्षाओं में पढ़ने वाले बच्चों के शैक्षणिक अध्ययन पर गहन निगरानी रखने की समझाइश दी। मंत्री श्री प्रधान ने विद्यालय की विजिटर्स बुक पर लिखा कि अगले सत्र में इस विद्यालय की छात्राएं जेईई एवं नीट परीक्षा में चयनित हों इसके लिये शिक्षक सामूहिक रूप से प्रयास करें।आयुक्त लोक शिक्षण श्रीमती शिल्पा गुप्ता ने बताया कि शिक्षा की गुणवत्ता के लिये प्रदेश में हमारे शिक्षक ऐप के माध्यम से ऑनलाइन ई-अटेंडेंस प्रारंभ की गई है।

उन्होंने बताया कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के अनुरूप 799 स्कूलों को मॉडल स्कूलों में बदला जा रहा है। उन्होंने पीएमश्री स्कूल और सांदीपनि विद्यलाय के बारे में भी जानकारी दी। आयुक्त श्रीमती गुप्ता ने बताया कि सांदीपनि विद्यालय के बच्चों को विद्यालय तक लाने के लिये नि:शुल्क परिवहन सेवा उपलब्ध कराई गई है। स्कूलों में बच्चों को डिजिटल शिक्षा दिये जाने की व्यवस्था की गई है। प्राचार्य कमला नेहरू श्रीमती संगीता सक्सेना ने बताया किविद्यालय की स्थापना 1958 में हुई थी। वर्तमान में इस विद्यालय में कक्षा अरूण (के.जी.-1) से लेकर कक्षा 12 तक करीब 1500 छात्राओं को उच्च स्तर की शिक्षा दी जा रही है। निरीक्षण के दौरान राहुल कोठारी, पार्षद श्रीमती आरती अनेजा भी साथ थी।

भारत टॉकीज पुल से ऐशबाग तक जाम, ट्रैफिक पुलिस गायब

-5 घंटे से इंच-इंच रेंग रही गाड़ियां

भोपाल (ए) । भोपाल के ऐशबाग और आसपास के क्षेत्र में 5 घंटे से जाम लगा है। इस दौरान धक्का-मुक्की, गाड़ियों की टक्कर और आपसी विवाद के बीच कई जगह वाहन चालक आपस में भिड़ते नजर आए। पूरे रूट पर कहीं भी ट्रैफिक पुलिस की मौजूदगी नहीं दिखी।भारत टॉकीज पुल, सेंट्रल लाइब्रेरी और ऐशबाग थाने के पास वाहनों की लंबी कतारें लगी हैं। जहांगीराबाद से बरखेड़ी और जिंसी से ऐशबाग जाने वाले रोड पर गाड़ियां इंच-इंच सरक रही हैं। स्थानीय लोगों के अनुसार, दोपहर करीब 1 बजे के बाद अचानक ट्रैफिक बढ़ा और गाड़ियां फंस गई। बाग उमराव दूल्हा ब्रिज पर भी यही हाल है। भोपाल में लगे जाम में सेना की गाड़ी भी फंस गई है। उसमें सवार जवान सड़कों पर उतर ट्रैफिक क्लियर कराने की कोशिश कर रहे हैं।

जीरो वेस्ट इवेंट के प्रयास को भोपाल ने अपनी आदत में किया शामिल

भोपाल (आरएनएस)। नगर निगम, भोपाल द्वारा शहर में आयोजित होने वाले बड़े आयोजनों को जीरो वेस्ट इवेंट बनाने हेतु निरंतर कार्यवाही की जा रही है। इसी क्रम में निगम अमले ने पूर्व में आयोजित बड़े-बड़े आयोजनों की तरह एक बार फिर कर्तव्य परायणता की मिसाल पेश करते हुए रविवार को आयोजित रन भोपाल रन को भी जीरो वेस्ट इवेंट बनाया और आयोजन स्थल व दौड़ के मार्गों से विभिन्न प्रकार के गीले-सूखे कचरे को पृथक-पृथक एकत्रकर निष्पादन स्थल तक पहुंचाने की कार्यवाही की। निगम के यह प्रयास अब शहर की आदत बनते जा रहे हैं। बड़े आयोजनों के समय व निगम की नियमित कार्यवाही के दौरान कचरा पृथक्कीकरण व एकत्रीकरण कार्य की निगम आयुक्त संस्कृति जैन द्वारा स्वयं मॉनीटरिंग भी की जा रही है।निगम आयुक्त संस्कृति जैन द्वारा बड़े आयोजनों के समय आयोजन स्थलों व अन्य स्थानों से गीले-सूखे व अन्य प्रकार के कचरे को एकत्रकर स्थल पर ही पृथक्कीकृत कर निष्पादन स्थल पहुंचाने संबंधी निर्देशों के परिपालन में निगम के अमले ने रविवार को प्रात: आयोजित रन भोपाल रन के आयोजन स्थलों एवं मार्गों पर तत्काल साफ-सफाई की और सूखे कचरे को एमआरएफ और गीले कचरे को खाद बनाने हेतु तथा फलों के छिलके आदि को गौशाला भेजने की कार्यवाही की।

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉक्टर मोहन यादव ने सशस्त्र सेना झंडा दिवस पर सैनिक कल्याण के लिए क्यूआर कोड से ऑनलाइन 11000 की राशि भेंट की।

कार को बचाने के प्रयास में चालक ने डिवाइडर पर चढ़ा दी लाल बस, बड़ा हादसा टला

सभी यात्री सुरक्षित, बस का अगला हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त

भोपाल (ए.)। राजधानी के कोहेफिजा थाना इलाके में स्थित हलालपुर के पास उस समय बड़ा हादसा होने से टल गया जब यहॉ एक कार को बचाने के प्रयास में लाल बस डिवाइडर से टकरा गई। बताया गया है, बस नंबर एमपी04 पीए 3871 बैरागढ से अवधपुरी की और जा रही थी। तभी हलालपुर बस स्टेंड के सामने एक कार चालक को बचाने की कोशिश में बस चालक ने बस को सड़क पर बने डिवाइडर पर चढ़ा दिया। हादसे के समय में चालक, कंडक्टर सहित कई मुसाफिर सवार थे, सभी यात्री सुरक्षित है, और किसी को भी चोंट नहीं आई है। लेकिन घटना में बस का अगला हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। सूचना मिलते ही पुलिस टीम भी मौके पर पहुचं गई थी।

NH-135 पर कोहरामः दो कंटेनरों की भीषण टक्कर, चालक बुरी तरह घायल, केबिन चकनाचूर, घंटों लगा जाम

रीवा (ए.)। रविवार दोपहर नेशनल हाईवे-135 पर उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब पटेहरा गांव के पास दो कंटेनर ट्रकों में जोरदार भिड़ंत हो गई। लगभग 3 बजे हुए इस भीषण हादसे में पीछे चल रहे कंटेनर का चालक गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना इतनी भयावह थी कि टक्कर के बाद पीछे वाले ट्रक का केबिन पिचक कर लोहे के मलबे में तब्दील हो गया और ड्राइवर भीतर ही फंस गया।

पुलिस के प्रारंभिक अनुमान के मुताबिक आगे चल रहे कंटेनर ट्रक के चालक ने अचानक ब्रेक लगाए, जिससे पीछे आ रहा दूसरा कंटेनर वाहन बेकाबू होकर तेज रफ्तार में जा भिड़ा। हाईवे पर बने ढलान और स्पीड के कारण टक्कर की तीव्रता कई गुना बढ़ गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि लोहे की चादरें मुड़कर एक-दूसरे में समा गईं और चालक का निकलना मुश्किल हो गया।

पुलिस और स्थानीय लोगों ने बचाई ड्राइवर की जान

घटना होते ही मौके पर मौजूद ग्रामीणों ने तत्काल डायल-112 पर संपर्क किया। पुलिस टीम पहुंची और कटर मशीन की मदद से क्षतिग्रस्त केबिन को काटकर अंदर फंसे चालक को बाहर निकाला। लहूलुहान हालत में उसे पहले सिविल अस्पताल मऊगंज ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसकी गंभीर स्थिति को देखते हुए तुरंत रीवा मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया। बताया जा रहा है कि उसके दोनों पैर बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गए हैं।

दुखों का पहाड़! महीने भर पहले फौजी भाई की मौत, अब बड़े भाई की हादसे में मौत

इंदौर (ए.)। इंदौर के खुड़ैल थाना क्षेत्र में शनिवार देर शाम एक दर्दनाक सड़क हादसा सामने आया है। यहां हनुमान मंदिर से दर्शन कर लौट रहे दो दोस्तों की बाइक को एक तेज रफ्तार बाइक सवार ने जोरदार टक्कर मार दी। इस दुर्घटना में एक कंस्ट्रक्शन व्यापारी की मौत हो गई, जबकि उनका दोस्त गंभीर रूप से घायल है। घटना के बाद मृतक के परिवार में कोहराम मच गया है, क्योंकि महज एक महीने पहले ही उनके छोटे भाई का भी निधन हुआ था।

हादसा जामनिया रिसोर्ट के पास हुआ

पुलिस द्वारा दी गई जानकारी के मुताबिक, यह दुर्घटना देवगुराड़िया स्थित जामनिया रिसोर्ट के पास हुई। सांईबाबा नगर निवासी जितेंद्र राजदेव वर्मा (36) और शांतिनाथपुरी निवासी उनके दोस्त रोहित वर्मा बाइक पर सवार होकर इंदौर शहर की ओर लौट रहे थे।

ओरछा को विश्वस्तरीय पर्यटन गंतव्य के रूप में विकसित किया जाये : मुख्य सचिव श्री जैन

>>> ओरछा का आर्थिक, सामाजिक विकास देखते हुए इंटीग्रेटेड मास्टर प्लान तैयार करने के निर्देश

>>> मुख्य सचिव ने ओरछा में विभिन्न निर्माण कार्यों का किया निरीक्षण

ओरछा (निप्र.)। मुख्य सचिव अनुराग जैन ने ओरछा में संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि सभी परियोजनाएँ समय पर और उच्च गुणवत्ता के साथ पूर्ण की जाएँ जिससे ओरछा को विश्वस्तरीय पर्यटन गंतव्य के रूप में विकसित किया जा सके। उन्होंने ओरछा शहर के आर्थिक, सामाजिक विकास को देखते हुए इंटीग्रेटेड मास्टर प्लान तैयार करने के भी निर्देश दिए। मुख्य सचिव श्री जैन रविवार को पर्यटन नगरी ओरछा में विभिन्न निर्माण कार्यों का निरीक्षण कर रहे थे। उन्होंने निर्माण एजेंसियों के अधिकारियों को समय-सीमा में कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए। मुख्य सचिव श्री जैन ने ओरछा में मंदिर पहुंचकर भगवान श्रीराम राजा सरकार के दर्शन किए। उन्होंने जुझार महल एवं हरदौल वाटिका का निरीक्षण किया। श्री जैन ने कहा कि वेंडर जोन का निर्माण इस तरह करें जिससे पर्यटकों को आवागमन में सुविधा हो।उन्होंने कहा कि खजुराहो महोत्सव को ध्यान में रखते हुए बुंदेलखंड सांस्कृतिक महोत्सव आयोजित करने की कार्ययोजना तैयार की जाए। उन्होंने ओरछा का मास्टर प्लान तैयार करने, पीपीपी मोड पर चल रहे कार्यों में स्थानीय नागरिकों की भागीदारी सुनिश्चित करने जिससे उन्हें रोजगार उपलब्ध कराया जा सके, के निर्देश दिये। मुख्य सचिव श्री जैन कंचना घाट भी पहुंचकर बेतवा नदी पर स्थित नवीन ब्रिज निर्माण कार्य को जल्द से जल्द पूरा करने के निर्देश दिए।

मुंबई सेंट्रल से नई दिल्ली और शकूर बस्ती के लिए स्पेशल ट्रेन सेवा शुरू, जानें पूरा शेड्यूल

रतलाम (ए.)। यात्रियों की मांग और सुविधा को ध्यान में रखकर रेलवे की ओर से मुंबई सेंट्रल से शकूर बस्ती और नई दिल्ली के लिए स्पेशल ट्रेन 6 दिसंबर 2025 से परिचालन शुरू किया गया है। यह ट्रेन दोनों दिशाओं में मथुरा, कोटा, नागदा, रतलाम, वड़ोदरा, सूरत सहित कई प्रमुख स्टेशनों पर रुकेगी।

रतलाम रेल मंडल के जनसंपर्क अधिकारी खेमराज मीना के अनुसार साप्ताहिक ट्रेन संख्या 04002 नई दिल्ली-मुंबई सेंट्रल स्पेशल ट्रेन शनिवार, 06 दिसम्बर, 2025 की रात 22.40 बजे नई दिल्ली से शुरू की गई है। यह ट्रेन अगले दिन रात 21.00 बजे मुंबई सेंट्रल पहुंचेगी। इस ट्रेन का 07 दिसम्बर 2025 को नागदा स्टेशन पर सुबह 10.15 बजे तथा रतलाम स्टेशन पर सुबह 11.05 बजे आगमन होगा। इसी प्रकार ट्रेन संख्या 4001 मुंबई-सेंट्रल-नईदिल्ली स्पेशल ट्रेन 7 दिसंबर 2025 रविवार को रात 23.30 बजे मुंबई सेंट्रल से प्रस्थान करेंगी और अगले दिन रात 20.50 बजे नई दिल्ली पहुंगी। इस ट्रेन का 8 दिसंबर को सुबह 8.45 बजे रतलाम और सुबह 9.55 बजे नागदा स्टेशन पर आगमन होगा। यह ट्रेन दोनों दिशाओं में बोरीवली, सूरत, वडोदरा, रतलाम, नागदा, कोटा और मथुरा स्टेशनों पर रुकेगी। इस ट्रेन में फर्स्ट एसी, एसी-2 टियर और एसी-3 टियर कोच होंगे। यह ट्रेन दोनों दिशाओं में दो-दो फेरे लेंगी।

वॉशिंग सेंटर पर नाबालिग की करंट से मौत, मालिक पर केस दर्ज

इंदौर (ए.)। इंदौर के हीरानगर थाना क्षेत्र में दिवाली से एक दिन पहले कार वॉशिंग सेंटर पर हुई नाबालिग की संदिग्ध मौत की गुत्थी सुलझ गई है। पुलिस ने जांच और पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर सर्विस सेंटर के संचालक के खिलाफ लापरवाही का मामला दर्ज किया है। घटना के वक्त नाबालिग गाड़ी धो रहा था, तभी अचानक गिर पड़ा और उसकी मौत हो गई थी।

मालिक की लापरवाही से गई जान

हीरानगर पुलिस ने शनिवार रात को कार्रवाई करते हुए यूएस कार सर्विस सेंटर के मालिक उत्तम ठाकुर पर धारा 304-ए (लापरवाही से मौत) के तहत प्रकरण दर्ज किया है। मृतक की पहचान 17 वर्षीय भोला, पुत्र लखन भूरियाले निवासी नंदा नगर के रूप में हुई है।

उत्तम ठाकुर कनकेश्वरी ग्राउंड के पास अपना सर्विस सेंटर चलाते हैं। जांच में पाया गया कि सुरक्षा मानकों में अनदेखी के कारण यह हादसा हुआ।

गजब है MP का बिजली विभाग, 12 रुपये के बकाया के लिए उपभोक्ता को थमाया नोटिस, सोशल मीडिया पर वायरल

सतना (ए.)। मध्य प्रदेश में बिजली विभाग की कार्यप्रणाली को लेकर आए दिन उपभोक्ताओं की शिकायतें सामने आती रहती हैं। कभी गलत बिल, कभी बिना कनेक्शन के बिल, तो कभी अत्यधिक चार्ज कुछ न कुछ विवाद हमेशा बना रहता है, लेकिन सतना जिले में जो मामला सामने आया है, उसने विभाग की कार्यशैली को लेकर लोगों के बीच हंसी और नाराज़गी दोनों ही पैदा कर दी है। कोठी स्थित विभाग ने एक उपभोक्ता को सिर्फ 12 रुपये बकाया दिखाते हुए आधिकारिक नोटिस भेज दिया। यह नोटिस जैसे ही सोशल मीडिया पर पहुंचा, देखते ही देखते वायरल हो गया।

उपभोक्ता ने खोला नोटिस, तो 12 रुपये का बकाया देखकर रह गए हैरान

कोठी निवासी पीयूष अग्रवाल ने जब बिजली विभाग का नोटिस हाथ में लेकर खोला, तो उन्हें उम्मीद थी कि शायद बिल में कोई तकनीकी गड़बड़ी या बड़ा अमाउंट होगा। लेकिन नोटिस में लिखा था आप पर 12 रुपये बकाया हैं, नियमानुसार भुगतान करें अग्रवाल के अनुसार उन्होंने कभी भी बिजली का बिल लंबित नहीं रखा। सभी बिल समय-सीमा के भीतर जमा किए हैं। उनका यह भी कहना है कि वे अपने उपभोक्ता खाते में कोई बकाया नहीं देख रहे थे। ऐसे में 12 रुपये के नोटिस ने उन्हें हैरान कर दिया।

नोटिस की तारीख भी बनी सवालों का कारण

इस मामले में हैरान करने वाली एक और बात यह सामने आई कि नोटिस की तारीख 22 मई 2025 दर्ज है, जबकि यह उपभोक्ता को 5 दिसंबर को विभाग के लाइनमैन द्वारा दिया गया। तारीखों की यह गड़बड़ी भी विभाग की लापरवाही का बड़ा संकेत मानी जा रही है, जिस पर उपभोक्ताओं ने सोशल मीडिया में टिप्पणी भी की है।

उड़ानें रद्द होने से एयरपोर्ट पर यात्री परेशान, सोमवार से हालात सामान्य होने की उम्मीद

इंदौर (ए.)। देवी अहिल्या बाई होलकर एयरपोर्ट पर इंडिगो एयरलाइंस की उड़ानों का संकट थमने का नाम नहीं ले रहा है। शनिवार को भी यात्रियों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ा। सुबह से शुरू हुआ उड़ानों के निरस्त होने का सिलसिला देर रात तक चलता रहा और दिन भर में करीब 30 उड़ानें कैंसिल हो गईं। वहीं रविवार को भी 24 उड़ानें निरस्त रहीं, जिससे यात्रियों ने जमकर हंगामा किया।

एयरपोर्ट प्रबंधन के अनुसार, इंडिगो में चल रहे संकट के कारण यह स्थिति बनी हुई है। सरकार द्वारा रोस्टर के नियम वापस लेने के बाद उम्मीद थी कि शनिवार से हालात सामान्य हो जाएंगे, लेकिन ऐसा नहीं हुआ और शुक्रवार की तुलना में संख्या कम होने के बावजूद रद्दीकरण जारी रहा।

यात्रियों का हंगामा

उड़ानों के अचानक निरस्त होने से नाराज यात्रियों ने एयरपोर्ट पर जमकर हंगामा किया। इंडिगो के स्टाफ द्वारा सही और पुख्ता जानकारी न मिल पाने के कारण यात्री आक्रोशित होकर स्टाफ से भिड़ते नजर आए।

अभी राहत मिलने की उम्मीद कम

ट्रेवल एजेंट फेडरेशन ऑफ इंडिया के प्रदेश अध्यक्ष अमोल कटारिया ने बताया कि शासन के नए नियमों के बाद क्रू की कमी का हवाला देते हुए इंडिगो ने 1 दिसंबर से उड़ानें रद्द करना शुरू किया था। भारी संख्या में उड़ानों के रद्द होने पर शासन ने नए नियमों को लागू करने की समय सीमा फरवरी तक बढ़ा दी है। हालांकि, इसके बावजूद व्यवस्था को पटरी पर आने में एक हफ्ते का समय लग सकता है।

व्यापार समाचार

इस सप्ताह देशभर में सोने-चांदी के दामों में तेजी जारी रही

- सोना 330 रुपये बढ़ा, चांदी ने अचानक भरी 5000 रुपये की उड़ान!

नई दिल्ली (ए.)। देशभर में सोने की कीमतों में इस हफ्ते तेजी जारी रही है। दिल्ली में 24 कैरेट सोने का भाव 1,30,300 रुपये प्रति 10 ग्राम पहुंच गया है, जो पिछले सात दिनों में 330 रुपये की बढ़ोतरी है। वहीं 22 कैरेट सोना 1,19,450 रुपये प्रति 10 ग्राम पर कारोबार कर रहा है। मुंबई और कोलकाता में 24 कैरेट सोना 1,30,150 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,19,300 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बिक रहा है। चेन्नई में 24 कैरेट सोने का भाव 1,31,350 रुपये और 22 कैरेट 1,20,400 रुपये प्रति 10 ग्राम है। वहीं अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी सोने की चमक कायम है। सोना हाजिर बाजार में 4,223.76 डॉलर प्रति औंस पर ट्रेड कर रहा है। विशेषज्ञों के अनुसार फेडरल रिजर्व की आगामी बैठक में ब्याज दरों में कटौती की संभावना से निवेशक सुरक्षित विकल्पों की ओर रुख कर सकते हैं, जिससे कीमतों में और तेजी आने की संभावना है। दिल्ली में पिछले 10 दिनों में सोने की कीमतों में उतार-चढ़ाव देखा गया। 24 कैरेट सोना 12,861 रुपये से बढ़कर 13,030 रुपये प्रति ग्राम हो गया है। 22 कैरेट सोना भी इसी अवधि में 11,790 रुपये से बढ़कर 11,945 रुपये प्रति ग्राम पर पहुंचा है। वहीं सोने के साथ चांदी की कीमतों में भी जबरदस्त तेजी है। 30 नवंबर को 1,85,000 रुपये प्रति किलोग्राम पर बिक रही चांदी वर्तमान में 1,90,000 रुपये प्रति किलोग्राम हो गई है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में चांदी 58.17 डॉलर प्रति औंस दर्ज की गई है और विशेषज्ञों का मानना है कि यह जल्द ही 70 डॉलर प्रति औंस तक जा सकती है।

भारत और यूरोपीय संघ के बीच मुक्त व्यापार पर जोर, पीयूष गोयल और सबाइन वेयेंड की मुलाकात पर नजरें

नई दिल्ली (ए.)। भारत और यूरोपीय संघ के बीच प्रस्तावित फ्री ट्रेड एग्रीमेंट को लेकर वार्ता अब तेज मोड़ पर पहुंच गई है। इसी क्रम में यूरोपीय संघ का उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल सोमवार को केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल से मुलाकात करेगा। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि बैठक का मकसद साल के अंत तक समझौते को अंतिम रूप देने की दिशा में प्रगति की समीक्षा करना है।

ईयू टीम का नेतृत्व सबाइन वेयेंड, डायरेक्टर जनरल, ट्रेड विभाग कर रही हैं। उनका मुख्य उद्देश्य वस्तुओं और सेवाओं से जुड़े उन मुद्दों को सुलझाना है, जिन पर अभी भी दोनों पक्षों में मतभेद बने हुए हैं।

इन मुद्दों पर अटका है FTA

अधिकारी के मुताबिक, भारत-ईयू एफटीए वार्ता में अभी भी कुछ महत्वपूर्ण मुद्दों पर सहमति बनना बाकी है। इनमें स्टील सेक्टर, कार्बन टैक्स, ऑटोमोबाइल, और नॉन-टैरिफ बैरियर्स जैसे क्षेत्र शामिल हैं। ईयू की ओर से विशेष रूप से ऑटोमोबाइल, मेडिकल डिवाइस, वाइन, स्पिरिट, मांस और पोल्ट्री जैसे उत्पादों पर बड़ी ड्यूटी कटौती की मांग की जा रही है। इसके साथ ही, यूरोपीय संघ एक मजबूत बौद्धिक संपदा अधिकार ढांचा स्थापित करने पर भी जोर दे रहा है, जो उनकी प्राथमिकताओं की सूची में प्रमुख है।

भारत-E व्यापार संबंध

भारत और यूरोपीय संघ के बीच वस्तुओं का द्विपक्षीय व्यापार 2024-25 में 136.53 अरब डॉलर पर पहुंच गया।

भारत का ईयू को निर्यात 75.85 अरब डॉलर

भारत का आयात 60.68 अरब डॉलर

ईयू बाजार भारत के कुल निर्यात का 17त्न हिस्सा है, जबकि ईयू की भारत को निर्यात हिस्सेदारी 9त्न है।

FTA से भारत को क्या फायदा ?

विशेषज्ञों का कहना है कि समझौता लागू होने के बाद भारत के कई प्रमुख क्षेत्रों को सीधा लाभ मिल सकता है। रेडीमेड गारमेंट, फार्मास्यूटिकल्स, स्टील, पेट्रोलियम उत्पाद और इलेक्ट्रिकल मशीनरी जैसे सेक्टर यूरोपीय बाजार में अपनी प्रतिस्पर्धा को और मजबूत कर पाएंगे। इन उत्पादों की पहुंच बढ़ने के साथ भारत का निर्यात भी गति पकड़ सकता है।

देश के विदेशी मुद्रा भंडार में लगातार दूसरे सप्ताह गिरावट, सोने के भंडार में बढ़ोतरी

नई दिल्ली (ए.)। भारत के विदेशी मुद्रा भंडार में बीते एक हफ्ते में गिरावट आई है। देश के केंद्रीय बैंक रिजर्व बैंक ने जो आंकड़े जारी किए हैं, उनके मुताबिक 28 नवंबर को खत्म हुए सप्ताह में भारत के विदेशी मुद्रा भंडार में 1.88 अरब डॉलर की गिरावट आई है और अब भारत का विदेशी मुद्रा भंडार 686 अरब डॉलर रह गया है। 21 नवंबर को खत्म हुए सप्ताह में भी देश के विदेशी मुद्रा भंडार में गिरावट दर्ज की गई थी और यह 4.4 अरब डॉलर घटकर 688 अरब डॉलर रह गया था। अब लगातार दूसरे सप्ताह भी इसमें कमी दर्ज की गई है।

सोने के भंडार में तेजी

रिजर्व बैंक के आंकड़ों के अनुसार, भारत के विदेशी मुद्रा भंडार में सबसे ज्यादा हिस्सेदारी विदेशी मुद्रा संपत्ति (एफसीए) का है, जो 557 अरब डॉलर है। इसमें 3.5 अरब डॉलर की गिरावट आई है। हालांकि सोने के भंडार में बढ़ोतरी दर्ज की गई है। इसमें 1.6 अरब डॉलर की तेजी आई है और यह 105 अरब डॉलर पहुंच गया है। गौरतलब है कि इससे पहले 27 सितंबर 2024 को समाप्त सप्ताह के दौरान अपना विदेशी मुद्रा भंडार 704.885 billion के रिकार्ड उच्चतम स्तर पर था।

एसडीआर में बढ़ोतरी

रिजर्व बैंक के आंकड़ों के अनुसार, बीते सप्ताह भारत के स्पेशल ड्रॉइंग राइट या विशेष आहरण अधिकार (SDR) में मामूली बढ़ोतरी हुई है। बीते सप्ताह के दौरान एसडीआर में 6.3 करोड़ डॉलर की मामूली बढ़ोतरी हुई है। अब यह बढ़ कर 18 अरब डॉलर का हो गया है। इसी सप्ताह अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (IMF) के पास रखे हुए देश के रिजर्व मुद्रा भंडार में भी 1.6 करोड़ डॉलर की बढ़ोतरी हुई है। अब अपना आईएमएफ रिजर्व बढ़ कर4.7 अरब डॉलर का हो गया है।

राहतः वैश्विक खाद्य कीमतों में गिरावट, दूध-तेल चीनी सस्ता; लगातार तीसरे माह कीमतों में गिरावट दर्ज की गई

नई दिल्ली (ए.)। वैश्विक महंगाई के दबाव के बीच नवंबर

उपभोक्ताओं के लिए राहत भरा महीना साबित हुआ। संयुक्त राष्ट्र के खाद्य एवं कृषि संगठन (एफएओ) के मुताबिक लगातार तीसरे महीने विश्व स्तर पर खाद्य कीमतों में गिरावट दर्ज की गई। दूध, तेल, चीनी और मीट जैसी प्रमुख वस्तुएं सस्ती हुईं, जबकि अनाज समूह में बढ़ोतरी देखी गई। एफएओ का वैश्विक खाद्य मूल्य सूचकांक नवंबर में 125.1 पॉइंट रहा, जो अक्तूबर 2025 की तुलना में 1.2 फीसदी कम है और मार्च 2022 के रिकॉर्ड स्तर से करीब 22 फीसदी नीचे आ चुका है।

सरकार फसल उत्पादकता और किसानों की आजीविका को बेहतर बनाने के लिए कर रही है एआई टूल्स का इस्तेमाल

नई दिल्ली (ए.) । सरकार कृषि क्षेत्र की समस्याएं हल करने, खेती की पैदावार बढ़ाने, खेती को टिकाऊ बनाने और किसानों की आय सुधारने के लिये 'आर्टिफिशियल इंटेलिजेन्स' यानी एआई का उपयोग कर रही है। इसी उद्देश्य से 'डेवलपमेंट इनोवेशन लैबङ्कइंडिया' के साथ मिलकर एक एआई-आधारित परीक्षण किया गया। इसके तहत खरीफ 2025 के लिये 13 राज्यों के कुछ क्षेत्रों में स्थानीय मानसून आने के समय का पूर्वानुमान तैयार किया गया।

कृषि और किसान कल्याण राज्य मंत्री रामनाथ ठाकुर के अनुसार, एक ओपन-सोर्स ब्लेंडेड मॉडल का इस्तेमाल किया गया। इसमें 'न्यूरल-जीसीएम', 'यूरोपीय सेंटर फॉर मीडियम-रेंज वेदर फोरकास्ट्स' यानी ईसीएमडब्ल्यूएफ का आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस फोरकास्टिंग सिस्टम (एआईएफएस) प्रणाली और भारतीय मौसम विभाग के 125 वर्ष के वर्षा आंकड़े शामिल किए गए।

अनिल अंबानी पर फिर ईडी का शिकंजा, अब 1,120 करोड़ की संपत्तियां जब्त

मुंबई (आरएनएस) । कर्ज में डूबे उद्योगपति अनिल अंबानी और उनके रिलायंस ग्रुप की मुश्किलें कम होने का नाम नहीं ले रही हैं। प्रवर्तन निदेशालय ने शिकंजा कसते हुए एक बार फिर बड़ी कार्रवाई की है। एजेंसी ने रिलायंस अनिल अंबानी समूह की 1,120 करोड़ रुपये मूल्य की 18 से अधिक संपत्तियों, फिक्स्ड डिपॉजिट और शेयरों को अस्थायी रूप से जब्त कर लिया है। यह कार्रवाई यस बैंक धोखाधड़ी, रिलायंस होम फाइनेंस लिमिटेड और रिलायंस कमर्शियल फाइनेंस लिमिटेड से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामलों में की गई है।

क्या-क्या हुआ जब्त ?

ईडी द्वारा की गई इस कार्रवाई में रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड की 7, रिलायंस पावर लिमिटेड की 2 और रिलायंस वैल्यू सर्विस प्राइवेट लिमिटेड की 9 प्रमुख संपत्तियों को जब्त किया गया है। इसके अतिरिक्त, जांच एजेंसी ने रिलायंस वेंचर एसेट मैनेजमेंट, मेसर्स फी मैनेजमेंट सॉल्यूशंस और आधार प्रॉपर्टी कंसल्टेंसी जैसी विभिन्न कंपनियों के नाम पर जमा फिक्स्ड डिपॉजिट (एफडी) और अनकोटेड निवेश को भी अपने कब्जे में ले लिया है।

अब तक 10,117 करोड़ की संपत्ति अटैच

ईडी इससे पहले भी इस मामले में 8,997 करोड़ रुपये से अधिक की संपत्तियां जब्त कर चुकी है। ताज़ा कार्रवाई को मिलाकर अब तक कुल अटैचमेंट का आंकड़ा 10,117 करोड़ रुपये तक पहुंच गया है। एजेंसी ने अपनी जांच में पाया कि रिलायंस कम्युनिकेशंस, रिलायंस होम फाइनेंस और रिलायंस पावर जैसी कंपनियों ने बड़े पैमाने पर 'पब्लिक मनी' का गबन किया है।

सम्पादकीय

अभिव्यक्ति हमारा जन्म सिद्ध अधिकार है,
सत्य प्रस्तुत करना हमारा कर्तव्य

सर्व धर्म प्रार्थना की परंपरा

भारतीय सेना ने सर्व धर्म प्रार्थना की परंपरा अपने धर्मनिरपेक्ष चरित्र के अनुरूप स्थापित की है। अपेक्षित है कि ऐसे सिद्धांतों पर दृढ़ता से अमल किया जाए- चाहे मामला किसी भी धर्मावंबी से जुड़ा हुआ हो।सुप्रीम कोर्ट ने यह उचित व्याख्या की है कि कोई सैनिक भारतीय सेना के सामूहिक आचार-धर्म के ऊपर धर्म की अपनी निजी व्याख्या को तरजीह नहीं दे सकता। इस तरह न्यायालय ने उपरोक्त सैनिक के खिलाफ सेना प्रशासन की कार्रवाई को सही ठहराया। इस सैनिक ने अपने रेजीमेंट के सर्व धर्म स्थल पर जाकर प्रार्थना करने से इनकार कर दिया था। इस रुख पर कायम रहने के कारण सेना से उसे बर्खास्त कर दिया गया, जिस निर्णय को उसने सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी थी। उसकी तरफ से दलील दी गई कि ईसाई धर्म एक ईश्वर की धारणा में आस्था में रखता है, इसलिए जहां विभिन्न महजबों के धर्मों के पूजा स्थल हों, किसी ईसाई को वहां प्रार्थना करने के लिए मजबूर नहीं किया जा सकता।चीफ जस्टिस न्यायमूर्ति सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्य बागची की खंडपीठ ने इस दलील को ठुकरा दिया। कहा कि इस सैनिक ने सेना के अनुशासन, समरसता और अपने साथियों के लिए सम्मान की भावना के ऊपर 'धार्मिक अहंकार' को प्राथमिकता दी। स्पष्टत: किसी बहु-धर्मीय समाज में ऐसे रुख के साथ समन्वय नहीं बनाया जा सकता। भारतीय सेना ने सर्व धर्म प्रार्थना की परंपरा अपने धर्मनिरपेक्ष चरित्र के अनुरूप स्थापित की है। जो भी भारतीय सेना में भर्ती होता है, उसे इस व्यवहार संहिता का पालन अवश्य करना चाहिए। अपेक्षित है कि ऐसे सिद्धांतों पर ना सिर्फ जोर दिया जाए, बल्कि उस पर दृढ़ता से अमल भी किया जाए- चाहे मामला किसी भी धर्मावंबी से जुड़ा हुआ हो। असल में इस सिद्धांत पर अमल की आवश्यकता सिर्फ सेना में ही नहीं, बल्कि सार्वजनिक जीवन से जुड़े हर क्षेत्र में है। यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि हाल के दशकों में भारत में ऐसे उदात्त सिद्धांतों को कई हलकों से चुनौती दी गई है, जिससे समाज में सद्भाव का माहौल बिगड़ा है। इससे सेना जैसी संस्थाओं को अप्रभावित रखने की चुनौती आज और बढ़ी हुई महसूस होती है। उसके बीच सुप्रीम कोर्ट ने संवैधानिक भावना के अनुरूप सर्व-धर्म सद्भाव के महत्त्व को रेखांकित करते हुए प्रशंसनीय निर्णय दिया है। इस निर्णय की भावना को बेहिचक एवं बिना किसी भेदभाव के अंगीकार किया जाना चाहिए।

नारी शक्ति से विकासः महिलाओं के नेतृत्व वाली प्रगति पर फोकस करने की ज़रुरत

लक्ष्मी पुरी

लैंगिक समानता और महिला सशक्तिकरण हमारे उज्जवल आज और बदलते कल के लिए बेहद ज़रुरी आधार है। तेज़ रफ्तार से आगे बढ़ते इस वक्त में हम लैंगिक समानता हासिल करने के लिए एक और शताब्दी तक इंतज़ार नहीं कर सकते। नारी शक्ति और भारत की विश्व को सभ्यतागत देन, महिलाओं को देवी के रूप में देखने की मूल अवधारणा को अब महज़ एक प्रतीक से आगे ले जाकर व्यावहारिक जीवन में लाना होगा और महिलाओं के प्रति सम्मान की हमारी विरासत को महिलाओं के नेतृत्व वाले सतत् विकास के मार्ग पर ले जाना होगा।

जब आधी मानवता की स्वतंत्रता और जीवन जीने के अवसर बढ़ते हैं, तो नए समाज में फिर से एक नई ऊर्जा का संचार होता है। लैंगिक समानता अपने आप में एक आदर्श विचार है, और सामाजिक, आर्थिक, राजनीतिक, तकनीकी और पर्यावरणीय प्रगति का एक शक्तिशाली कारक भी है। मैकिन्से ग्लोबल इंस्टीट्यूट की 2015 की रिपोर्ट, राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण के आंकड़ों पर आधारित वर्ष 2024 का विश्लेषण और ईवाय का इंडिया@ 100 कार्य, मिलकर एक ठोस आर्थिक तर्क पेश करते हैं: लैंगिक अंतर को कम करने से सकल घरेलू उत्पाद में 20 से 30% की वृद्धि हो सकती है और यह भारत के लिए 2047 तक 28 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने के लिए बेहद ज़रुरी है।

भारत एक जनसांख्यिकीय दौर से गुज़र रहा है। हमारी युवा आबादी का तभी लाभ उठाया जा सकता है, जब वह महिलाओं के लिए फायदेमंद हो। प्रजनन क्षमता घट रही है और लड़कियों तथा युवतियों की महत्वाकांक्षाएँ बढ़ रही हैं, भारत अब उच्च शिक्षा में लगभग बराबरी पर है और करीब 43% स्टेम छात्राएँ हैं। कई सालों तक महिलाओं के काम को अनौपचारिक और अदृश्य बनाए रखने के बाद, आखिरकार महिलाओं की श्रमशक्ति में भागीदारी फिर से बढ़ने लगी है और अब इसे बेहतर गुणवत्ता, औपचारिक और भविष्य के लिए तैयार नौकरियों में तब्दील होना चाहिए।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार की एक खास विशेषता ऐसे प्रमुख कार्यक्रमों को लक्षित करना है, जिनमें महिलाएँ प्रमुख लाभार्थी हैं। इसके अलावा बुनियादी ढाँचे, स्वास्थ्य, शिक्षा और सामाजिक सुरक्षा से जुड़े ऐसे कार्यक्रम भी सरकार के फोकस में हैं, जो लैंगिक भेदभाव के प्रति संवेदनशील हैं। छात्रवृत्ति, छात्रावास और आरक्षित सीटों ने उच्च एवं तकनीकी शिक्षा में महिलाओं की मौजूदगी को बढ़ाया है और ज्ञान, स्वास्थ्य, हरित और देखभाल अर्थव्यवस्थाओं में उनके लिए नए रास्ते खोले हैं। डिजिटल मिशन और ग्रामीण कार्यक्रमों ने करोड़ों महिलाओं को प्रशिक्षित किया है और उनके हाथों में किफायती डेटा वाले स्मार्टफोन और जन धन

खाते दिए हैं, जिससे उन्हें सूचना, बाज़ार और सेवाओं तक सीधी पहुँच मिली है। प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना, प्रधानमंत्री मुद्रा, स्वच्छ भारत और प्रधानमंत्री आवास जैसी प्रमुख योजनाओं ने करोड़ों महिलाओं को स्वच्छ ऊर्जा, ऋण तक पहुँच, स्वच्छता और सुरक्षित आवास जैसी सुविधाएं दी हैं, जबकि सुकन्या समृद्धि और लखपति दीदी जैसी योजनाओं ने उनके बैंक खातों में प्रत्यक्ष लाभ अंतरण और उनकी आय में बढ़ोत्तरी को मुमकिन बनाया है। अब अगले स्तर पर उन्हें निर्णायक रूप से लाभार्थी से अधिकार पति, यानी अधिकारों के प्राप्तकर्ता से पूर्ण अधिकार धारक और अर्थव्यवस्था तथा समाज में फैसला लेने वाली महिला के रूप में स्थापित करना होगा। 2030 तक लैंगिक समानता पर सतत् विकास लक्ष्य 5 को प्राप्त करने का यही असल सार है। भारत में अंतर्संबंध का अर्थ है, कि कई महिलाओं को गरीबी, जाति, जनजाति, धर्म, दिव्यांगता या स्थान के कारण कई स्तरों पर मुश्किलों का सामना करना पड़ता है। तीन तलाक के उन्मूलन ने मुस्लिम महिलाओं के विवाह अधिकारों को मज़बूत किया है। जनजातीय पृष्ठभूमि की महिला, द्रौपदी मुर्मू का भारत के राष्ट्रपति के रूप में चुनाव इस बात का प्रतीक है कि हाशिए पर रहने वाले समाज की महिला एक गणतंत्र में किस ऊँचाई तक पहुँच सकती है और लैंगिक और सामाजिक न्याय के प्रति उसकी प्रतिबद्धता को और गहरा कर सकती है। मौजूदा वक्त में हमें जिस कल का निर्माण करना है, वह ऐसा होना चाहिए, जिसमें विकास के ऐसे उदाहरण, असाधारण न होकर, व्यवस्था का हिस्सा हों और व्यापक रुप से दिखाई दें।

हिंसा से मुक्ति, एक लैंगिक समानता वाले समाज का अनिवार्य आधार बनी हुई है। घरेलू दुर्व्यवहार और मानव तस्करी से लेकर कार्यस्थल पर उत्पीड़न और ऑनलाइन घृणा तक, महिलाओं और लड़कियों के खिलाफ हर प्रकार की हिंसा को खत्म करना, हमारे एजेंडे में सबसे ऊपर होना चाहिए, साथ ही महिलाओं के स्वास्थ्य और यौन तथा प्रजनन अधिकारों पर निरंतर काम करना चाहिए, जो स्वायत्तता और सम्मान की गारंटी देते हैं।

राजनीतिक आवाज़ और नेतृत्व हर दूसरे हस्तक्षेप के प्रभाव को कई गुना बढ़ा देते हैं और महिलाओं को भविष्य के नियमों को आकार देने की ताकत देते हैं। जमीनी स्तर पर, पंचायतों और शहरी स्थानीय निकायों में 33त्न से 50त्न आरक्षण ने 15 लाख महिला नेताओं को जन्म दिया है। लोकसभा और सभी राज्य विधानसभाओं में एक तिहाई सीटें महिलाओं के लिए आरक्षित करने वाला नारी शक्ति वंदन अधिनियम, कानून निर्माण और शासन में वास्तविक समानता की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम है। जैसा कि हाल ही में बिहार में देखा गया, महिलाएँ चुनावी नतीजों को भी नया रूप दे रही हैं, जहाँ जागरूक मतदाता सुरक्षा, गतिशीलता, शिक्षा, स्वास्थ्य और आजीविका के क्षेत्र में काम करने वाली सरकारों को चुन रहे हैं। संस्कृति एक बुनियादी ढाँचा है, जिसके ज़रिए कोई भी समाज खुद को समझता है और अपने भविष्य की कल्पना करता है। सदियों से, इसका निर्माण पितृसत्ता के पुरुषवादी दृष्टिकोण से हुआ है, यहाँ तक कि उन सभ्यताओं में भी जहाँ महिलाओं की पूजा की जाती थी। आज, मीडिया और साहित्य से लेकर सिनेमा, संगीत, खेल और डिजिटल सामग्री तक, रचनात्मक उद्योगों में महिलाएँ उस पटकथा को नए सिरे से लिख रही हैं और देवी के विचार को दोबारा एक नई परिभाषा दे रही हैं, ताकि उनके प्रति श्रद्धा को घर, अर्थव्यवस्था और सार्वजनिक क्षेत्र में समान अधिकार, समान सम्मान और साझा ज़िम्मेदारी के रूप में दर्शाया जा सके।

परिवर्तन के अगले स्तर का नेतृत्व अब संसदों के साथ-साथ कार्यालयों, बोर्ड रूम, प्रयोगशालाओं और डिजिटल प्लेटफ़ॉर्म से भी होना चाहिए। सरकारी विभागों और राजनीतिक दलों से लेकर विश्वविद्यालयों, अनुसंधान परिषदों, स्टार्टअप्स और बड़े निगमों तक, हर संस्थान को लैंगिक समानता को अपने डीएनए में शामिल करना होगा। इसका अर्थ है कि लैंगिक समानता वाली शिक्षा से लेकर नौकरियों की मूल्य श्रृंखला तक, जहाँ लड़कियाँ कक्षाओं से आगे बढ़कर व्यापक उद्योग 4.0 व्यवस्था तंत्र में विज्ञान, प्रौद्योगिकी और कृत्रिम बुद्धिमत्ता के क्षेत्र में करियर बना सकें। इसका एक दूसरा अर्थ ये भी है कि कॉर्पोरेट नेता और मुख्य कार्यकारी अधिकारी, भर्ती, प्रतिधारण, दोबारा प्रवेश और पदोन्नति में समानता के लिए प्रतिबद्ध हों और वरिष्ठ प्रबंधन और बोर्ड में और ज्यादा महिलाओं को शामिल करें। इसके लिए एक शोध और नवाचार प्रणाली और एक स्टार्टअप संस्कृति को तैयार करना होगा, जहां महिला संस्थापक, वैज्ञानिक और रचनाकार समान शर्तों पर ऋण, मार्गदर्शन और बाज़ार तक पहुँच सकें।

रांची के बिरसा मुंडा एयरपोर्ट पर फ्लाइट में रुकावट के बीच इंडिगो एयरलाइंस के काउंटर पर पूछताछ करते यात्री।

(दो टूक) बदलती दुनिया में भारत-रूस की अटल साझेदारी

योगेश कुमार गोयल

विश्व राजनीति की जटिलताओं और शक्ति-संतुलन के नए उभार के बीच कुछ संबंध ऐसे होते हैं, जो समय के साथ अपनी प्रासंगिकता को विस्तार देते हुए नई दिशाएं निर्धारित करते हैं। भारत और रूस का रिश्ता ऐसे ही संबंध का उदाहरण है, जो युद्धों, तकनीकी क्रांतियों, आर्थिक परिवर्तन और वैश्विक संरेखणों के अनेक चक्रों से गुजरते हुए भी ध्रुव तारे की तरह स्थिर बना रहा है। यह स्थिरता वैश्विक परिदृश्य में भारत की रणनीतिक स्वायत्तता, रूसी विश्वास और दोनों देशों के साझा हितों का परिणाम है। नई दिल्ली के हैदराबाद हाउस में 5 दिसंबर को आयोजित 23वें वार्षिक भारत-रूस शिखर सम्मेलन ने इस ऐतिहासिक स्थिरता को पुनर्पुष्ट करते हुए भविष्य की दिशा स्पष्ट कर दी। यह रिश्ता अब अतीत का बोझ नहीं, भविष्य की वैश्विक व्यवस्था के निर्माण में एक सक्रिय और आवश्यक घटक है। जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारत-रूस संबंधों को 'ध्रुव तारे की तरह स्थिर' कहा तो वह केवल एक कूटनीतिक प्रशंसा वाक्य नहीं था। ध्रुव तारा दिशा दिखाने वाला स्थायी प्रकाश-स्रोत है और भारत-रूस संबंध भी आज वैश्विक दक्षिण की आकांक्षाओं, ऊर्जा-भू-राजनीति, उभरती तकनीकों, व्यापारिक विविधीकरण और बहुध्रुवीय विश्व व्यवस्था की दिशा तय करते प्रतीत होते हैं।

इस शिखर वार्ता ने यह स्पष्ट कर दिया कि भारत और रूस के बीच संबंध राष्ट्रीय हित, परस्पर सम्मान और साझा दृष्टिकोण की दृढ़ बुनियाद पर टिके हैं। ऐसे समय में, जब वैश्विक राजनीति अमेरिका-चीन प्रतिद्वंद्विता, यूरोपीय सुरक्षा संकट, पश्चिमी प्रतिबंधों, नाटो विस्तार और यूक्रेन युद्ध के दबावों से आकंठ भरी हुई है, भारत और रूस का संबंध संतुलन, स्वायत्तता और दीर्घकालिक नीति-दृष्टि का मॉडल बनकर उभर रहा है। दोनों देशों ने 'भारत-रूस आर्थिक सहयोग कार्यक्रम 2030' नामक नए रोडमैप को मूर्त रूप दिया, जो व्यापार, ऊर्जा, उर्वरक, तकनीकी नवाचार, समुद्री अवसंरचना, श्रम गतिशीलता और रणनीतिक उद्योगों में साझेदारी को एक व्यापक और भविष्यनिष्ठ आधार प्रदान करता है। यह समझौता दो देशों के व्यापारिक हितों का विस्तार नहीं बल्कि मौजूदा वैश्विक परिदृश्य में डॉलर वर्चस्व को चुनौती देने वाली और बहुध्रुवीय आर्थिक संरचना को स्थापित करने वाली एक साहसिक पहल भी है।

भारत और रूस के बीच व्यापारिक संबंधों की प्रकृति अब मूल्य, तकनीक और रणनीतिक नियंत्रण पर आधारित होती जा रही है। 2024 में दोनों देशों का व्यापार 64 अरब डॉलर तक पहुंच चुका था और अब 2030 तक इसे 100 अरब डॉलर तक ले जाने का लक्ष्य रखा गया है। यह लक्ष्य उस नई आर्थिक संरचना की घोषणा है, जिसके तहत दोनों देशों के बीच 96 प्रतिशत भुगतान रुपये और रूबल में होने लगा है। इस तथ्य का अर्थ वैश्विक आर्थिक विमर्श में अत्यधिक दूरगामी है, जो न केवल डॉलर की निर्भरता को चुनौती देता है बल्कि वैश्विक व्यापार को एक ऐसी राह पर ले जाता है, जहां मुद्रा-स्वायत्तता, आर्थिक आत्मनिर्भरता और बहु-मुद्रा व्यापार व्यवस्था भविष्य का आधार बन सकती है। शिखर सम्मेलन में कृषि-उद्योग क्षेत्र में उर्वरक उत्पादन पर सहमति आने से भारत की खाद्य और कृषि सुरक्षा रणनीति को ऐतिहासिक मजबूती मिली है। आज जहां दुनिया संसाधन-संकट, कृषि लागत, उत्पादन सीमाएं और उर्वरक आपूर्ति से संबंधित अनिश्चितताओं का सामना कर रही है, वहीं भारत और रूस का संयुक्त यूरिया उत्पादन कार्यक्रम भारत को केवल खरीदार देश नहीं, वैश्विक कृषि-आपूर्ति श्रृंखला में सक्रिय उत्पादक राष्ट्र के रूप में स्थापित करेगा। यह भारत की आत्मनिर्भर कृषि नीति, ग्रामीण अर्थव्यवस्था और खाद्य सुरक्षा के दीर्घकालिक ढ़ांचे को सुदृढ़ करेगा।

क्यों हो रहा है भारतीय रुपए का अवमूल्यन

प्रहलाद सबनानी

माह जनवरी 2025 में भारतीय रुपए का अंतरराष्ट्रीय बाजार में मूल्य 85.79 रुपया प्रति अमेरिकी डॉलर था। 3 दिसम्बर 2025 को रुपए का बाजार मूल्य लगभग 5 प्रतिशत घटकर 90.19 रुपया प्रति डॉलर हो गया। पिछले कुछ समय से अंतरराष्ट्रीय बाजार में रुपए का बाजार मूल्य लगातार गिर रहा है और हाल ही के समय में रुपए के बाजार मूल्य में सबसे बड़ी गिरावट दर्ज हुई है। जबकि, वित्तीय वर्ष 2025-26 की द्वितीय तिमाही में भारत की आर्थिक विकास दर पिछली 8 तिमाहियों में सबसे अधिक रिकार्ड 8.2 प्रतिशत की दर से आगे बढ़ी है तथा खुदरा मुद्रा स्फीति की दर 0.25 प्रतिशत के निचले स्तर पर आ गई है। भारत में वृहद अर्थव्यवस्था के विभिन्न मानदंडो के मजबूत बने रहने के बावजूद एशियाई देशों के बीच भारतीय रुपए की कीमत अंतरराष्ट्रीय बाजार में सबसे तेज गति से गिरी है।

दरअसल, अंतरराष्ट्रीय बाजार में भारतीय रुपए की कीमत में गिरावट के मुख्य कारण वैश्विक स्तर पर आर्थिक जगत में घट रही कुछ घटनाओं में छुपे हुए हैं, अन्यथा भारतीय अर्थव्यवस्था तो मजबूत स्थिति में बनी हुई है। ट्रम्प प्रशासन द्वारा विभिन्न देशों से अमेरिका में विभिन्न उत्पादों के होने वाले आयात पर टैरिफ की दरों में वृद्धि किए जाने से वैश्विक स्तर पर विदेश व्यापार में लगातार दबाव बना हुआ है। भारत से अमेरिका को होने वाले उत्पादों के निर्यात पर तो 50 प्रतिशत का टैरिफ लगा दिया गया है, जिसके चलते भारत से कुछ उत्पादों यथा, रेडीमेड गारमेंट्स, कृषि उत्पाद, लेदर उत्पाद, समुद्री जीवों का उत्पाद, जेम्स एवं ज्वेलरी आदि के अमेरिका को होने वाले निर्यात विपरीत रूप से प्रभावित हो रहे हैं एवं इससे भारत को अमेरिकी डॉलर का अंतरप्रवाह कम हो रहा है और व्यापार घाटे में वृद्धि दर्ज हो रही है। पिछली तिमाही के दौरान भारत के कुल आयात 18,500 करोड़ अमेरिकी डॉलर के रहे हैं जबकि निर्यात केवल 10,500 करोड़ अमेरिकी डॉलर के रहे। इस प्रकार, 8,000 करोड़ अमेरिकी डॉलर का व्यापार घाटा दर्ज हुआ है।

मेष राशि: मेष राशि वालों आज का दिन आपके लिए अनुकूल रहेगा। आपको नई नौकरी के लिए आज ऑफर आ सकता है। परिवारजनों के आपसी तालमेल बनाकर रखें। व्यापार करने वालों के लिए अच्छे लाभ की प्रबल संभावना है। निवेश का अच्छा रिटर्न मिलेगा।

वृष राशि: वृष राशि वालों आज आपका दिन लकी रहेगा। किसी सिलसिले में विदेश यात्रा का मौका मिल सकता है। कार्य क्षेत्र में कुछ चुनौतियां आ सकती हैं। अपने व्यापार को और बढ़ाने के लिए नया प्लान बनायेंगे, योजनाएं सफल होंगी।

मिथुन राशि: मिथुन राशि वालों आपके लिए बदलाव लाने वाला दिन रहेगा। किसी अनुभवी व्यक्ति से मुलाकात हो सकती है। जिससे आपको अच्छा सहयोग मिलेगा। आपके व्यापार में लाभ होगा। किसी पारिवारिक आयोजन पर धन खर्च हो सकता है।

कर्क राशि: कर्क राशि वालों आपका दिन अच्छा बीतेगा। आप अच्छी रणनीति के साथ कार्यक्षेत्र का काम करेंगे। सहकर्मियों के साथ आपके ताल-मेल अच्छे रहेंगे। आप अपने जीवनसाथी के साथ सुखद समय व्यतीत करेंगे। पारिवारिक खर्च बढ़ेंगे।

सिंह राशि: सिंह राशि वालों आज के दिन आपकी पॉजिटिविटी बनी रहेगी। आज कार्य क्षेत्र में काम का दबाव रहेगा। आप समय पर कार्यों को पूरा करने में सफल होंगे। आज आपके आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। आपके करियर में प्रगति के योग हैं।

कन्या राशि: कन्या राशि वालों वालों आपके लिए आज का दिन फायदेमंद रहेगा। कार्य क्षेत्र में आपको आज ज्यादा काम मिल सकता है। आपको आपके कलीग्स से पूरा सहयोग मिलेगा। व्यापार करने वालों को लाभ के योग हैं।

तुला राशि: आपके लिए सकारात्मक बदलाव लाने वाला दिन है। प्राइवेट सेक्टर में जॉब करने वाले लोगों को आज अच्छा प्रोजेक्ट मिल सकता है। जिसमें आप अपनी पूरी प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे। प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी करने वाले छात्रों को ज्यादा मेहनत करनी पड़ सकती है।

वृश्चिक राशि: वृश्चिक राशि वालों आपके लिए आज का दिन बेहतर रहेगा। नौकरी में बॉस का सहयोग मिलेगा। जिससे आपको काफी लाभ होने की संभावना है। साझेदारी के व्यापार में तालमेल अच्छा बना रहेगा। आपको किसी के माध्यम से धन लाभ हो सकता है।

धनु राशि: धनु राशि वालों आपके लिए सफलता दिलाने वाला दिन है। आपके सभी काम बनेंगे। कार्यक्षेत्र में आज बड़ी जिम्मेदारी मिल सकती है। जिसमें आपको अपनी काबिलियत दिखाने का मौका मिलेगा। कुछ कार्यों को लेकर आज भाग-दौड़ हो सकती है।

मकर राशि: मकर राशि वालों आज आप का उत्साह बढ़ेगा। आप अपने आपको भाग्यशाली अनुभव करेंगे। कार्यक्षेत्र में आपको नए मौके मिलेंगे। जीवनसाथी से आपको प्यार और सम्मान मिलेगा। जल्दबाजी में आज निर्णय लेने से बचें। आप के सामने कुछ भावनात्मक चुनौतियां आएंगी।

कुम्भ राशि: कुम्भ राशि वालों आपके लिए आज का दिन फायदेमंद रहेगा। आपको किसी बड़े लाभ की प्राप्ति हो सकती है। आपको आध्यात्मिक कार्यों में आनंद आएगा। आप किसी एनजीओ के साथ जुड़कर समाज सेवा करने का मन बनाएंगे।

मीन राशि: मीन राशि वालों आपके लिए आज का दिन खुशहाल रहेगा। आपके जीवन में महत्वपूर्ण बदलाव देखने को मिलेगा। छात्रों की रचनात्मक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। लंबी यात्राओं के योग हैं। जिससे आपके व्यापार में लाभ होगा।

प्रदेशों की राजधानियों में भोपाल अपना अलग स्थान रखता है

अजय दीक्षित

देश के उत्तर भारत के सभी राज्यों की राजधानियों का अगर अध्ययन किया जाए तो सबसे शांत मप्र की राजधानी भोपाल ही एक ऐसा शहर है जो प्राकृतिक रूप से काफी सम्पन्न है। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ,देश की राजधानी दिल्ली, बिहार की राजधानी पटना , राजस्थान की राजधानी जयपुर, गुजरात की राजधानी गांधीनगर, महाराष्ट्र की राजधानी मुंबई यहां तक कि हिमाचल प्रदेश की राजधानी शिमला से भी अधिक प्राकृतिक सौन्दर्य बिखरा हुआ है भोपाल में।

भोपाल आजादी से पहले एक मुस्लिम प्रिंसली स्टेट थी और नबाब शासक हुआ करता था जिसमें अब के रायसेन, होशंगाबाद,आदि जिले भी थे । कहने को तो रियासत थी भोपाल मगर बहुत छोटी थी । आजादी के बाद बेगम सुल्तान अब जहांनुमा पैलेस से हुक्म चलाती थीं।भोपाल बड़े और छोटे तलाव के साथ 100 किलोमीटर रेडियस में जंगलों से घिरा था । इतिहास कार और मप्र के मुख्य सचिव रहे एम एन बुच ने अपनी पुस्तक डिस्कवरी भोपाल में लिखा है कि भोपाल सतपुड़ा की पहाड़ियों से घिरा एक जंगल ही था जहां बहुत ज्यादा मात्रा में जंगली जानवर थे ।बांस, पाखर, बट,पीपल,का घना जंगल था ।

जब प्रथम प्रधानमंत्री स्व जवाहर लाल नेहरू ने 1956 में मध्य प्रदेश राज्य बनाया तब राजधानी बनाने का प्रश्न उत्पन्न हुआ।

चूंकि मध्यप्रदेश में विदर्भ, छत्तीसगढ़ ,मध्यभारत,भोपाल, महाकौशल, विंध्य प्रदेश का विलय हुआ था तो ग्वालियर सबसे बड़ी प्रिंसली स्टेट थी।महाराजा जीवाजी राव चाहते थे कि ग्वालियर राजधानी बने उधर इंदौर भी बड़ा शहर था। लेकिन जवाहरलाल नेहरू ने बात मानी पूर्व राष्ट्रपति और तत्कालीन मुख्यमंत्री भोपाल शंकर दयाल शर्मा की और भोपाल को राजधानी घोषित किया उसमें मध्यप्रदेश के प्रथम मुख्यमंत्री रविशंकर शुक्ल की भी सहमति थी । जब विधानसभा भवन की समस्या आयी तो मिंटो हॉल का चयन किया गया था।

तत्कालीन समय में भोपाल रोशनपुरा तक ही था जिसमें पुलिस हेडक्वार्टर, मिंटो हॉल,भोपाल स्टेशन, बस स्टैंड, और पुराने भोपाल की बस्ती शामिल थी । आजादी के बाद भोपाल में एम जी एम मेडिकल कॉलेज, मौलाना आजाद इंजीनियरिंग कॉलेज, हमीदिया होस्टिटल, न्यू मार्केट,बनी, 1960 के दशक में भोपाल में राजधानी के हिसाब से बल्लभ भवन, मंत्रियों के आवास 74 बंगले,चार इमली में बंगले, माध्यमिक शिक्षा मंडल, और कई प्रतिष्ठानों का निर्माण कार्य किया गया।

अब भोपाल लगभग 20 किलो मीटर रेडियस में है। लेकिन अभी भी देश की पूर्वोत्तर राज्यों की राजधानियों को छोड़ दें तो भोपाल जैसा सकून, शांति, तापक्रम,बारिश,सफाई, पर्यावरण संरक्षण,कहीं नहीं है।अभी भी मात्र 18 लाख की जनसंख्या है। हालांकि भोपाल में भी बहुत निर्माण कार्य किया गया है।

राजधानी क्षेत्र के चलते प्रत्येक विभाग के मुख्यालय, प्रशासनिक अकादमी,ट्रेनिंग सेंटर,नई विधानसभा, नया मंत्रालय, बनाए गए है लेकिन निर्माण कार्य की इजाजत देने वाली संस्थाओं ने पर्यावरण से समझौता नहीं किया है ।नए भोपाल में सिविल सोसाइटी बनी है ।

भोपाल की खास बात यह भी है कि वहां कोई बहुत बड़ा बाजार नहीं है सभी कुछ बिखरा हुआ है।

भोपाल ही एक ऐसा राजधानी क्षेत्र जहां राष्ट्रीय बन अभ्यारण्य भी है। भोपाल की सबसे बड़ी खूब सुरती बड़ा तलाव है जो शायद भारत वर्ष सबसे बड़ा है। केरवा बांध, भदभदा ,कलिया सोत बांध भी जल संरक्षण के है । पूरे भारत में राज्यों की राजधानियों में अगर श्री नगर, देहरादून,गांधीनगर ही महानगरों के माप दंडों में भोपाल जैसे है जिनमें देहरादून तो हिमालय की गोद में बसा है जबकि गांधीनगर गुजरात की राजधानी के रूप में 1966 में अस्तित्व में आया है। श्रीनगर तो बताते हैं कि भारत का स्विट्जरलैंड है होकर हिमालय की में ही बसा है और वहां पर पर्यटन ही है एक भी औद्योगिक इकाई नहीं है।बस हिमालय में चीड़ और देवदार के वृक्ष ही है और घास के मैदान झेलम, चिनाव,जैसी नदियां है।

कुल मिलाकर देखा जाए तो इस युग में भोपाल उत्तम राजधानी है। राजनीतिक दलों के छोटे बड़े कार्यालय है । लेकिन भोपाल में पब्लिक ट्रांसपोर्ट की व्यवस्था है।अब तो मेट्रो भी निर्माणाधीन है और इस वर्ष के अंत में तो 2026 में आरंभ होगी ।

K K

राष्ट्रीय समाचार

सोमवार 08 दिसम्बर 2025, नर्मदापुरम (होशंगाबाद)

दैनिक क्षितिज किरण 5

रेसलर खली और अभिनेता सोनू सूद पर ठगी का आरोप, पुलिस करेगी पूछताछ

कानपुर (ए.)। करीब 1500 करोड़ की ठगी के मामले में महाठग रविंद्रनाथ सोनी के लिए प्रमोशन करने वाले रेसलर द ग्रेट खली और अभिनेता सोनू सूद को भी पुलिस आरोपी बनाएगी। पीड़ितों ने इन पर ठगी में शामिल होने के आरोप लगाए हैं। दोनों को पूछताछ के लिए शहर बुलाया जाएगा। इसके लिए पुलिस ने दोनों को कानूनी नोटिस भेजा है। वहीं, पुलिस महाठग को रिमांड पर लेकर सुबूत जुटाने की तैयारी में है।

सीपी रघुबीरलाल ने बताया कि ठगी के मुख्य आरोपी दिल्ली के मालवीयनगर निवासी रविंद्रनाथ सोनी का शिकार बने लोगों की संख्या 700 से ज्यादा है। इनमें से 15 लोग अब

तक शहर आकर अपनी शिकायत दर्ज करा चुके हैं। कई लोगों ने ई-मेल के माध्यम से शिकायत भेजी है। कुछ पीड़ितों ने द ग्रेट खली और सोनू सूद पर भी ठगी में शामिल होने का आरोप लगाया। कई पीड़ित तो यकीन ही नहीं कर रहे हैं कि आरोपी उनके रुपये लेकर हड़प चुका है। वह सिर्फ यह देखने आए हैं कि वह पकड़ा भी गया है या नहीं। सीपी ने बताया कि ठगी के शिकार लोगों में 90 फीसदी भारतीय हैं जबकि अन्य 10 फीसदी लोगों में नेपाल, वियतनाम, चाइना, जापान, अमेरिका और फ्रांस के लोग शामिल हैं। अब तक मिली जानकारी के अनुसार कई जापानी कंपनियों ने ज्यादा लाभ पाने के चक्कर में शातिर की ब्लूचिप कंपनी में अपना निवेश किया। जापानियों समेत अन्य विदेशियों को अपने व्यापार की चकाचौंध में फंसाने के लिए वह हमेशा बड़े और नामी होटल में पार्टी करता था।

तिरुवनंतपुरम में आने वाले केरल लोकल बॉडी चुनावों की तैयारियों के बीच एक घर की दीवारों पर पार्टी के बैनर लगाए गए।

बिहार में लोजपा का जिलाध्यक्ष नाबालिग से 5 साल तक करता रहा दुष्कर्म

-कोचिंग से उठाकर ले गया घर और रखा कैद में, पीड़िता बोली- अब इंसाफ चाहिए

रोहतास,(ए.)। बिहार के रोहतास जिले में नाबालिग से यौन शोषण के आरोप में लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के जिलाध्यक्ष और भैंसही कला पंचायत के मुखिया कमलेश राय (45) को गिरफ्तार किया गया है। पीड़िता ने शिकायत में दावा किया है कि आरोपी कमलेश ने उसे बहला-फुसलाकर दुष्कर्म किया और घटना का वीडियो बनाकर उसे लगातार धमकाता रहा।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक पीड़िता ने बताया कि साल 2020 में आरोपी कमलेश ने उसके साथ दुष्कर्म किया था। पीड़िता ने दावा किया कि आरोपी वीडियो वायरल करने की धमकी देता था, जिसके कारण वह पांच साल तक कुछ भी कहने से डरती रही। नाबालिग ने आरोप लगाया कि 2023 में आरोपी उसे अन्य लोगों से भी मिलवाने लगा और बातचीत के वीडियो रिकॉर्ड कर उसे ब्लैकमेल करता रहा। पीड़िता के मुताबिक 5 नवंबर को आरोपी उसके कोचिंग में आया और बाइक पर बैठाकर अपने साथ ले गया। इसके बाद आरोपी ने 10 दिनों तक कमरे में कैद रखा, जहां लगातार उसका यौन उत्पीड़न किया गया। 15 नवंबर को उसे मौका मिला और वह भागकर घर पहुंची, जहां उसने अपनी मां को पूरी घटना बताई।

इसके बाद परिजनों ने थाने में शिकायत दर्ज कराई। सदर डीएसपी-2 ने बताया कि नाबालिग के बयान, मेडिकल जांच और जांच में सामने आए तथ्यों के आधार पर कमलेश राय को पॉक्सो एक्ट की धाराओं में गिरफ्तार किया है।

मेरी वर्दी दे दो... घर जाना है , महिला सिपाही के मैसेज पर थाना प्रभारी ने दिया जवाब; चैटिंग से खुलेगा राज

जालौन (ए.)। जालौन के कोंच कोतवाली प्रभारी की मौत मामले में नए-नए खुलासे हो रहे हैं। अब सामने आया है कि कोतवाली में तैनाती के दौरान महिला सिपाही से अरुण कुमार राय की नजदीकियां बढ़ गईं थीं। साथी पुलिस कर्मियों के मुताबिक महिला सिपाही ने थाना प्रभारी के कुछ वीडियो और चैट अपने पास रख ली थीं। इससे वह लगातार उन्हें परेशान कर रही थी।

जालौन के उरई में दिवंगत इंस्पेक्टर अरुण कुमार राय की मौत के मामले में पत्नी की तहरीर रिपोर्ट दर्ज कर महिला सिपाही मीनाक्षी शर्मा को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। पुलिस कड़ी से कड़ी जोड़कर घटना की तह तक पहुंचने की कोशिश में लगी है।

सूत्रों के मुताबिक मीनाक्षी और अरुण के बीच गहरी नजदीकियां थीं। घटना को लेकर पुलिस इस बिंदु पर जांच कर रही है। सूत्रों के मुताबिक महिला सिपाही से बढ़तीं नजदीकियां भी मौत की वजह हो सकती है।

घटनाक्रम मार्च 2024 से शुरू होता है, जब 14 मार्च 2024 को महिला आरक्षी मीनाक्षी शर्मा की तैनाती कोंच कोतवाली में हुई थी। इसके कुछ माह बाद पांच जुलाई 2024 को अरुण कुमार राय को कोंच कोतवाली का प्रभारी निरीक्षक बनाया गया। दोनों करीब सात महीने तक एक ही थाने में साथ तैनात रहे।

इस दौरान दोनों के बीच नजदीकियां बढ़ने की चर्चाएं तेज रहीं। 22 फरवरी 2025 को अरुण का स्थानांतरण उरई कोतवाली कर दिया गया, जबकि मीनाक्षी को 28 अप्रैल 2025 को यूपी 112 यूनिट- 1577 में भेजा गया।

इसके बावजूद वह कोंच के सरकारी आवास में ही रहकर ड्यूटी करती रही। सूत्रों के अनुसार, अरुण के उरई जाने के बाद से मीनाक्षी का व्यवहार बदल गया था। किसी बात को लेकर वह लगातार अरुण पर दबाव बनाती थी। कई बार वह अरुण के सरकारी आवास पर विवाद और हंगामे की स्थिति पैदा कर चुकी थी। इससे अरुण तनाव में रहने लगे थे। करीबी सूत्रों का कहना है कि लगातार तनाव, विवाद और दबाव की स्थिति ने इंस्पेक्टर अरुण कुमार राय की मानसिक स्थिति को काफी प्रभावित किया, जिसकी परिणति बाद में उनकी मौत तक पहुंच गई।

विविध-समाचार

गजवा-ए-हिंद' नहीं भगवा-ए-हिंद' चाहिएः धीरेंद्र शास्त्री

कोलकाता (आरएनएस)। महानगर कोलकाता में 5 लाख श्रद्धालुओं के द्वारा सामूहिक गीता पाठ के आयोजन से जहां एक रिकॉर्ड बना। वहीं इस गीता पाठ में देश दुनियां में चर्चित बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर धीरेंद्र शास्त्री ने कहा कि सनातन एकता इस देश और विश्व के लिए विश्व शांति का सबसे बड़ा साधन है। भारत में हम सनातनी चाहते हैं, तनातनी नहीं। धीरेंद्र शास्त्री ने कहा, आज पश्चिम बंगाल की पावन धरती कोलकाता में 5 लाख लोगों ने एक साथ गीता का पाठ किया। आस्था का उत्साह और सैलाब देखकर ऐसा लगा जैसे कोलकाता में महाकुंभ मेला लगा हो। हम पश्चिम बंगाल और कोलकाता की जनता, भारत की जनता के प्रति अपनी हार्दिक कृतज्ञता व्यक्त करते हैं। धीरेंद्र शास्त्री ने कहा कि इस देश में 'गजवा-ए-हिंद' नहीं भगवा-ए-हिंद' चाहिए। जहां तक गीता की बात तो इस ग्रंथ ने पूरी दुनियां में सामाजिक समरसता और एकता का संदेश प्रेषित किया है। गीता की कोई तुलना ही नहीं यह जीवन काआधार भी है। धीरेंद्र शास्त्री ने कहा, 'जब राज्य एक होता है, तो देश बनता है। इसलिए बंगाल के हिंदुओं को मेरा संदेश है कि जब आप एक होंगे, तभी भारत हिंदू राष्ट्र बनेगा।' सनातन एकता ही इस देश एवं दुनिया के लिए शांति का सबसे बड़ा संदेश है। इस आयोजन के लिए वे पश्चिम बंगाल और कोलकाता के लोगों का और देश के लोगों का दिल से शुक्रिया अदा करते हैं। इस दौरान धीरेंद्र शास्त्री ने हिंदू राष्ट्र की वकालत की और उन्होंने बंगाल को एकजुट होने मैसेज दिया।

आने वाले समय में भाजपा यंत्र से खोजकर भी नहीं मिलेगीः मुशर्रफ हुसैन

कोलकाता (आरएनएस)। विधानसभा चुनाव की तारीखों के ऐलान अभी हुआ नहीं है कि बंगाल में सर्दी के मौसम में राजनीति का पारा तप रहा है। संहति दिवस के कार्यक्रम में तृणमूल अल्पसंख्यक सेल के अध्यक्ष व विधायक मुशर्रफ हुसैन ने जमकर भाजपा व देश में मोदी सरकार पर हमला किया। मुशर्रफ हुसैन ने कहा कि आने वाले दिनों में भाजपा किसी यंत्र से भी खोजकर नहीं मिलेगी। कारण बातुनी संस्कृति से राजनीति नहीं चलती है बरन कथनी और करनी में फर्क नहीं होना चाहिए। सच तो यह है कि तृणमूल भाजपा को अपनी प्रतिद्वंदी ही नहीं मानती है। बीजेपी अपने गरम बातों व बयानों से विभेद की राजनीति करती है। लेकिन बंगाल ममता बनर्जी की सरकार सर्व धर्म सद्भावना में विश्वास करती है। देश में धर्म को लेकर जिस तरह से राजनीति किया जा रहा है वह बंगाल में नहीं चलने वाला है और यहां के अमन पसंद लोग इसे बर्दाश्त नहीं करेंगें। भाजपा जहां विभाजन व कट्टरता की पोषक है वहीं सीएम ममता बनर्जी विकास की प्रतीक हैं।

क्रिस्तु महोत्सव 2025 में चावरा कल्चरल सेंटर ने पेश की समावेशन और सौहार्द की नई मिसाल

नई दिल्ली, (आरएनएस)। चावरा कल्चरल सेंटर का वार्षिक क्रिस्तु महोत्सव शनिवार को दिल्ली में अपने पाँचवें संस्करण में आयोजित हुआ, जिसमें राजनयिकों, धार्मिक नेताओं और सैकड़ों विशेष रूप से सक्षम बच्चों की उपस्थिति रही। यह कार्यक्रम, जो एक छोटे सांस्कृतिक प्रयास के रूप में शुरू हुआ था, अब सामुदायिक भागीदारी और अंतरधार्मिक संवाद का एक महत्वपूर्ण मंच बन चुका है। कार्यक्रम में पश्चिम बंगाल के राज्यपाल डॉ. सी. वी. आनंदा बोस, आर्चबिशप एनील जोसेफ थोमस कोटो, बिशप स्टीफन फर्नांडीज़, और पुर्तगाल, माल्टा, तिमोर-लेस्ते, पेरू और ग्वाटेमाला के राजदूत उपस्थित रहे। इन अतिथियों की मौजूदगी ने यह साबित किया कि यह महोत्सव केवल सांस्कृतिक ही नहीं बल्कि कूटनीति और जमीनी सामाजिक भागीदारी को जोड़ने वाला एक महत्वपूर्ण मंच बन रहा है। अपने स्वागत भाषण में चावरा कल्चरल सेंटर के निदेशक रेव. डॉ. फ्र. रोबी कन्नन्चिरा सीएमआई ने कहा कि क्रिस्तु महोत्सव का उद्देश्य ऐसा वातावरण बनाना है जहाँ प्रत्येक बच्चा अपनी परिस्थितियों के विपरीत खुद को सम्मानित और महत्वपूर्ण महसूस करे।

केरल के कोल्लम में अष्टमुडी झील में मछली पकड़ने वाली नावों में आग लगने के बाद धुआं और आग की लपटें उठ रही हैं। इस घटना में झील में खड़ी करीब 10 नावें जलकर खाक हो गईं।

अखिलेश यादव का भाजपा सरकार पर बड़ा हमलाः महंगाई बेरोजगारी चरम पर, अर्थव्यवस्था संकट में, जनता परेशान

लखनऊ (आरएनएस)। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने कहा है कि भाजपा सरकार में महंगाई, बेरोजगारी और भ्रष्टाचार अपने चरम पर पहुंच चुके हैं। उन्होंने कहा कि आज देश में नौकरी और रोजगार का गंभीर संकट है, थानों में खुलेआम लूट की घटनाएँ हो रही हैं और रुपये की कीमत लगातार गिर रही है। डॉलर के मुकाबले रुपये के 90 के स्तर तक पहुंचने को लेकर उन्होंने चिंता जताई और कहा कि यह देश की कमजोर होती अर्थव्यवस्था का बड़ा संकेत है। अखिलेश ने आरोप लगाया कि भाजपा की केंद्र और प्रदेश सरकार हर मोर्चे पर असफल है और जनता से सच्चाई को छिपाने का प्रयास कर रही है। सहारनपुर में मीडिया से बातचीत के दौरान उन्होंने कहा कि भाजपा जनहित के किसी भी मुद्दे पर कार्य नहीं कर रही है। किसान, नौजवान और मजदूर सभी वर्ग सरकार की नीतियों से परेशान हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार सिर्फ भावनाओं की राजनीति कर रही है और संविधान के रास्ते से भटककर शासन चला रही है। अखिलेश ने कहा कि सरकार को संविधान के दायरे में रहकर ही कार्य करना चाहिए और बाबा साहेब डॉ. भीमराव अम्बेडकर द्वारा दिखाए गए मार्ग का अनुसरण करना चाहिए।इंडिगो की उड़ानों के रद्द होने से यात्रियों को हो रही भारी परेशानी पर भी अखिलेश ने सरकार को घेरा। उन्होंने कहा कि जब उद्योगपतियों को अत्यधिक ताकतवर बना दिया जाएगा तो वे सरकारों पर दबाव बनाने लगते हैं। उनका आरोप था कि इंडिगो प्रबंधन पर सरकार का कोई नियंत्रण नहीं है क्योंकि भाजपा ने उनसे इलेक्टोरल बॉन्ड के रूप में धन लिया है। उन्होंने कहा कि सरकार पर पूंजीपति वर्ग का प्रभाव बढ़ता जा रहा है और इसका खामियाजा आम जनता को भुगतना पड़ रहा है।

चुनाव हारते ही तेज प्रताप की मुश्किलें बढ़ीं : निजी आवास पर 3.6 लाख का बिजली बिल बाकी, विभाग की मेहरबानी पर उठे सवाल

पटना (आरएनएस)। राष्ट्रीय जनता दल प्रमुख लालू प्रसाद यादव के बड़े बेटे और पूर्व मंत्री तेज प्रताप यादव एक बार फिर विवादों में घिर गए हैं। हाल ही में संपन्न हुए विधानसभा चुनावों में मिली करारी हार के बाद अब उनके सामने एक नई मुसीबत खड़ी हो गई है। पटना के बेउर स्थित उनके निजी आवास के बिजली बिल को लेकर एक चौंकाने वाली जानकारी सामने आई है। विभागीय आंकड़ों के मुताबिक, तेज प्रताप यादव ने पिछले तीन साल से अपने इस घर का बिजली बिल नहीं भरा है, जिसके चलते अब उन पर बिजली कंपनी का 3.6 लाख रुपये से अधिक का बकाया हो गया है। मिली जानकारी के अनुसार, तेज प्रताप यादव भले ही विधायक होने के नाते लंबे समय से सरकारी बंगले में रह रहे हों, लेकिन बेउर में उनका एक निजी मकान भी है। बिजली विभाग के रिकॉर्ड बताते हैं कि इस मकान पर लगे कनेक्शन (कंज्यूमर खाता संख्या 101232456) का बिल जुलाई 2022 के बाद से जमा ही नहीं किया गया है। रिकॉर्ड के मुताबिक, आखिरी बार 20 जुलाई 2022 को उन्होंने करीब 1 लाख 4 हजार रुपये का भुगतान किया था। इसके बाद लगातार बिजली का उपयोग तो होता रहा, लेकिन बिल का भुगतान नहीं किया गया। अब बकाये की कुल राशि 3,24,974 रुपये हो गई है, जिसमें 23 हजार रुपये से ज्यादा का जुर्माना भी शामिल है।इस मामले में सबसे बड़ा सवाल बिजली विभाग की कार्यशैली और 'वीआईपी कल्चर' पर उठ रहा है। बिजली कंपनी के नियमों के मुताबिक, पोस्टपेड कनेक्शन पर 25 हजार रुपये से ज्यादा का बकाया होने पर आम उपभोक्ता का कनेक्शन तुरंत काट दिया जाता है। लेकिन तेज प्रताप के मामले में विभाग ने गजब की दरियादिली दिखाई है। लाखों का बकाया होने के बावजूद तीन साल तक न तो उनकी बिजली काटी गई और न ही कोई सख्त कार्रवाई हुई।हैरानी की बात यह भी है कि जहां पूरे बिहार में बकाये से बचने के लिए स्मार्ट प्रीपेड मीटर लगाने का अभियान जोर-शोर से चल रहा है, वहीं तेज प्रताप के इस घर में अब भी पुराना पोस्टपेड मीटर ही लगा हुआ है। विभाग की इस

लापरवाही या विशेष मेहरबानी को लेकर अब सवाल उठने लगे हैं कि क्या नियम-कानून सिर्फ आम जनता के लिए ही बने हैं। फिलहाल, इस भारी-भरकम बकाये को लेकर जवाबदेही तय होनी बाकी है।

शादी का वादा कर दुष्कर्मः हाईकोर्ट में सरकार पीड़िता को साबित नहीं कर पाई नाबालिग, बरकरार रखा आरोपी को दोषमुक्त करने का फैसला

बिलासपुर, (आरएनएस)। हाईकोर्ट ने शादी का वादा कर नाबालिग से दुष्कर्म करने के आरोपी को दोषमुक्त किए जाने के खिलाफ पेश राज्य शासन की अपील खारिज कर दी है. पीड़िता ने इस बात का स्वीकार किया था कि वह आरोपी के साथ लिव इन रिलेशनशिप में रह रही थी. मामले की सुनवाई जस्टिस संजय एस. अग्रवाल एवं जस्टिस राधाकिशन अग्रवाल की डीविजन बेंच में हुई.जानकारी के मुताबिक, रायगढ़ जिले की रहने वाली पीड़िता ने 10 फरवरी 2016 को रिपोर्ट दर्ज कराई कि 1 फरवरी 2016 से आरोपी उसके साथ लिव इन रिलेशनशिप में था, और इस दौरान उसने शादी का झूठा बहाना बनाकर उसके साथ शारीरिक संबंध बनाया. जब पीड़िता ने उससे शादी करने के लिए कहा, तो उसने मना कर दिया। पीड़िता की शिकायत के आधार पर पुलिस ने आरोपी के खिलाफ धारा 376 एवं पास्को एक्ट के तहत जुर्म दर्ज किया.

अरुणाचल प्रदेश में एनएससीएन (के) का उग्रवादी गिरफ्तार, हथियार बरामद

ईटानगर (आरएनएस)। असम राइफल्स ने अरुणाचल प्रदेश पुलिस के साथ मिलकर एक ऑपरेशन चलाया और नेशनल सोशलिस्ट काउंसिल ऑफ नागालैंड (एनएससीएन-के, निकी सुमी गुट) के एक एक्टिव कैडर को अरुणाचल प्रदेश के तिरप जिले के हुकनजुरी इलाके से पकड़ लिया है। अधिकारियों ने इसकी जानकारी दी है। एक पुलिस अधिकारी ने कहा कि असम राइफल्स के जवानों और पुलिस कर्मियों का जॉइंट ऑपरेशन तब शुरू किया गया, जब भरोसेमंद स्रोत से खुफिया जानकारी मिली कि हुकनजुरी इलाके में एक हथियारबंद विद्रोही मौजूद है। सूचना पर तुरंत कार्रवाई करते हुए, असम राइफल्स के जवानों और अरुणाचल प्रदेश पुलिस के जवानों की एक जॉइंट टीम संदिग्ध जगह पर पहुंची और सटीक एवं सावधानीपूर्वक उन्हें घेर लिया। इससे विद्रोहियों को भागने का मौका नहीं मिला और आम लोगों के लिए कोई खतरनाक स्थिति पैदा नहीं हुई।अधिकारी ने कहा कि कार्रवाई के दौरान जॉइंट टीम ने खुद को कैप्टन बताने वाले जेनलोंग सुपोंग को सफलतापूर्वक पकड़ लिया, जो (एनएससीएन-के, निकी सुमी गुट) का एक एक्टिव और हथियारबंद सदस्य है।

सशस्त्र सेना झंडा दिवस पर रक्षामंत्री राजनाथ सिंह और केंद्रीय मंत्रियों ने किया जवानों को सलाम

नई दिल्ली (आरएनएस)। देश में रविवार को सशस्त्र सेना झंडा दिवस मनाया जा रहा है। यह दिन भारतीय सेना, नौसेना और वायुसेना के वीर जवानों के सम्मान में मनाया जाता है। रक्षामंत्री राजनाथ सिंह और केंद्रीय मंत्रियों ने सशस्त्र सेना झंडा दिवस के अवसर पर शुभकामनाएं दीं और भारतीय सशस्त्र बलों के वीर कर्मियों को उनके बेजोड़ साहस, वीरता और धैर्य के लिए सलाम किया। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, सशस्त्र सेना झंडा दिवस पर, मैं हमारे सशस्त्र बलों की वीरता और बलिदान को सलाम करता हूं। उनका साहस हमारे राष्ट्र की रक्षा करता है और उनकी निस्वार्थ सेवा हमें उस

ऋण की याद दिलाती है जिसे हम कभी नहीं चुका सकते। मैं सभी से सशस्त्र सेना झंडा दिवस कोष में उदारतापूर्वक योगदान देने का आग्रह करता हूं। आपका समर्थन उनके समर्पण का सम्मान करता है और उन लोगों को मजबूत बनाता है जो हमारी रक्षा करते हैं। केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, जय हिंद की सेना, सशस्त्र बल ध्वज दिवस पर, हम अपने बहादुर सैनिकों, उनके बलिदान और हमारे राष्ट्र की सुरक्षा के लिए अटूट प्रतिबद्धता का सम्मान करते हैं। हम देश के प्रति उनकी सेवा के सदैव ऋणी रहेंगे।केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, सशस्त्र बल ध्वज दिवस पर, हम अपने सैनिकों के बेजोड़ साहस और बलिदान का सम्मान करते हैं। उनका समर्पण हमारे राष्ट्र को सुरक्षित रखता है, प्रत्येक नागरिक को एकता और सेवा बनाए रखने के लिए प्रेरित करता है।

शादी की पहली सालगिरह पर वीडियो शेयर किया शोभिता ने, हुई भावुक

मुंबई (ए.)। साल 2017 में शादी करने वाले साउथ फिल्म इंडस्ट्री की चर्चित जोड़ी रहे सामंथा रुथ प्रभु और नागा चैतन्य दोनों ने कुछ ही वर्षों बाद अलग होने का फैसला किया था। इस रिश्ते के टूटने की असली वजह अब तक सामने नहीं आई, लेकिन इसके बाद दोनों कलाकार अपनी-अपनी नई जिंदगी की शुरुआत कर चुके हैं।

सामंथा ने हाल ही में फिल्ममेकर राज निदिमोरु से शादी की, जबकि नागा चैतन्य ने अभिनेत्री शोभिता धुलिपाला के साथ 4 दिसंबर 2024 को हैदराबाद के प्रसिद्ध अन्नपूर्णा स्टूडियो में सात फेरे लिए थे। खास बात यह है कि शोभिता और नागा की शादी की सालगिरह से ठीक तीन दिन पहले सामंथा ने अपनी दूसरी शादी रचाई थी। अब नागा चैतन्य और शोभिता की शादी को एक साल पूरा हो गया है। इस मौके पर शोभिता ने इंस्टाग्राम पर एक खूबसूरत वीडियो पोस्ट कर अपने एक साल के साथ रहने की खुशी जाहिर की।

वीडियो के साथ उन्होंने भावुक कैप्शन लिखा जैसे हवा हमेशा अपने घर की तरफ लौटती है, वैसे ही मैं इस एक साल के सफर में अपने पति के साथ हर दिन नई और ताजी महसूस करती हूं। जैसे सोना तपकर और अधिक चमकता है, वैसे ही यह साल मेरे लिए कीमती रहा। 'मिसेज' के रूप में एक साल पूरा। पोस्ट सामने आते ही फैंस और इंडस्ट्री के साथियों ने शुभकामनाओं की बौछार कर दी। नागा चैतन्य ने भी पत्नी के पोस्ट पर प्रतिक्रिया देते हुए कमेंट किया तुम्हारी जिंदगी का हिस्सा बनकर मैं खुद को धन्य महसूस करता हूं। सालगिरह की शुभकामनाएं।

अभिनेत्री दिया मिर्जा ने भी हार्ट इमोजी के साथ बधाई दी। शोभिता धुलिपाला ने अनुराग कश्यप की फिल्म 'रमन राघव 2.0' से बॉलीवुड में डेब्यू किया था, लेकिन उन्हें असली पहचान मिली वेब सीरीज 'मेड इन हेवन' से, जहां उनके किरदार ने व्यापक लोकप्रियता हासिल की। इसके अलावा वे 'कालाकंदी', 'शेफ' और देव पटेल निर्देशित अंतरराष्ट्रीय फिल्म 'मंकी मैन' में भी नजर आ चुकी हैं, जिसके जरिए उन्होंने हॉलीवुड में भी कदम रखा।

राहु केतु का नया पोस्टर जारी, पुलकित सम्राट और वरुण शर्मा का दिखा मजेदार अंदाज

फिल्म फुकरे वाली जोड़ी एक बार फिर दर्शकों के बीच लौटने के लिए बिल्कुल तैयार है। अभिनेता पुलकित सम्राट और वरुण शर्मा अपनी आगामी कॉमेडी-ड्रामा फिल्म राहु केतु लेकर आ रहे हैं। फिल्म का टीजर कुछ दिन पहले जारी किया गया था, जिसे देखने के बाद से लोग फिल्म के लिए उतावले हो गए हैं। अब निर्माताओं ने फिल्म राहु केतु से दिलचस्प और मजेदार पोस्टर साझा किया है जो लोगों की उत्सुकता को और बढ़ा देगा।

फिल्म राहु केतु का पोस्टर साझा करते हुए हुए निर्माताओं ने लिखा, पापियों बचके रहना, क्योंकि सबकी दशा और दिशा बदलने आ रहे हैं राहु केतु! इस पोस्टर में पुलकित और वरुण को राहु और केतु के अवतार में दिखाया गया है, जो देखने में बेहद दिलचस्प है। फिल्म में शालिनी पांडे, अमित सियाल और चंकी पांडे भी अहम किरदार में हैं। विपुल विग द्वारा लिखित और निर्देशित इस फिल्म को 16 जनवरी, 2026 में सिनेमाघरों में रिलीज किया जाएगा।फिल्म राहु केतु का पोस्टर साझा करते हुए हुए निर्माताओं ने लिखा, पापियों बचके रहना, क्योंकि सबकी दशा और दिशा बदलने आ रहे हैं राहु केतु!

'बिग बॉस 19': अशनूर कौर को घर से बाहर करने से फैंस हैरान

मुंबई (ए.)। एक्ट्रेस अशनूर कौर को रियलिटी शो 'बिग बॉस 19' में फिनाले से ठीक एक हफ्ते पहले घर से बाहर कर दिया गया, जिससे दर्शक और उनके फैंस हैरान रह गए। बाहर आने के बाद अशनूर ने पहली बार इस पूरे घटनाक्रम, घरवालों की प्रतिक्रियाओं और तान्या को लगी चोट को लेकर खुलकर बात की। एक इंटरव्यू में अशनूर से पूछा गया कि मालती चाहर द्वारा उन्हें 'सेल्फिश' और 'बच्ची' कहे जाने पर वह क्या कहती हैं। जवाब में उन्होंने कहा कि हर किसी को अपनी राय रखने का अधिकार है और वह दूसरों की बातों से अपनी पहचान तय नहीं करतीं। उन्होंने कहा, मैं खुद को अच्छी तरह जानती हूं, इसलिए बाहरी टिप्पणियां मुझ पर असर नहीं डालतीं। मैं विवादों में उलझने के बजाय आगे बढ़ने में विश्वास रखती हूं। पूरे विवाद की शुरुआत 'टिकट टू फिनाले' टास्क से हुई, जिसमें प्रतियोगियों को एक-दूसरे के कटोरों में भरे रंगीन पानी को गिराकर मुकाबला करना था। इस दौरान तान्या मित्तल ने अशनूर के कटोरे गिराए, जिसके बाद गुस्से में अशनूर ने लकड़ी को तेजी से घुमाया और तान्या को चोट लग गई। तान्या ने इसे बड़ा मुद्दा नहीं बनाया, लेकिन 'वीकेंड का वार' में सलमान खान ने अशनूर को फटकार लगाई और बिग बॉस के अहम नियम तोड़ने पर उन्हें घर से बाहर कर दिया।

इस फैसले से अशनूर भावुक दिखाई दीं। उन्होंने कहा कि फिनाले से बस सात दिन पहले शो छोड़ना बेहद दर्दनाक था और उन्हें लगा कि उनका सपना अचानक छिन गया। जब पूछा गया कि क्या वह शो में कुछ अलग कर सकती थीं, तो उन्होंने कहा कि अगर उन्हें समय रहते बताया जाता कि तान्या को चोट लगी है, तो वह तुरंत माफी मांग लेतीं और शायद बात इतनी न बढ़ती। शो में किसने उन्हें चौंकाया? इस पर अशनूर ने बताया कि उन्हें लगता था कि आवेज दरबार और नगमा से उनकी नहीं बनेगी, लेकिन दोनों ने उन्हें गलत साबित किया और उनसे अच्छी दोस्ती हो गई। उन्होंने कहा कि शो ने उन्हें रिश्तों की असलियत समझाई कौन कठिन समय में साथ रहता है और कौन आसानी से दूरी बना लेता है। उन्होंने अभिषेक को अपना सच्चा दोस्त बताया।

शो से बाहर आने के बाद अशनूर अब अपने करियर और निजी जीवन पर ध्यान देना चाहती हैं। उन्होंने बताया कि हर साल की तरह इस बार भी वह नया साल नांदेड़ साहिब गुरुद्वारे में मनाएंगी और जल्द ही अपने नए प्रोजेक्ट्स की घोषणा करेंगी। बता दें कि शो में अशनूर कौर की साफ-सुथरी छवि और संयमित व्यक्तित्व को देखकर उम्मीद थी कि वह फाइनल तक पहुंचेंगी, लेकिन तान्या मित्तल के साथ हुए विवाद के बाद उनके एविक्शन ने सभी को चौंकाया।

फिर छोटे पर्दे पर धूम मचा रही हैं स्मृति ईरानी

मुंबई (ए.)। छोटे परदे की अभिनेत्री और वर्तमान में केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी फिर से छोटे पर्दे पर धूम मचा रही हैं। स्मृति ईरानी के लोकप्रिय शो का दूसरा सीजन 'क्योंकि सास भी कभी बहू थी-2' ऑन एयर हो चुका है। शो की सफलता के साथ-साथ स्मृति ईरानी की पारंपरिक साड़ियों का अंदाज भी चर्चा में है, जिसने दर्शकों और फैशन प्रेमियों का ध्यान आकर्षित किया है। इन खूबसूरत और पारंपरिक साड़ियों के पीछे हैं प्रसिद्ध डिजाइनर गौरांग शाह, जिन्हें स्मृति ईरानी ने सोशल मीडिया पर दिल से धन्यवाद दिया है। उन्होंने इंस्टाग्राम पर गौरांग शाह का पोस्टर रिपोस्ट करते हुए लिखा आपकी कला विरासत के प्रति देखभाल और सम्मान के साथ धागों को जीवंत करती है, गौरांग शाह। सपोर्ट के लिए धन्यवाद।

उनकी यह पोस्ट साफ जताती है कि 'क्योंकि सास भी कभी बहू थी-2' में गौरांग द्वारा डिजाइन की गई पारंपरिक साड़ियों का उपयोग हो रहा है। गौरांग शाह भारतीय वस्त्र कला की दुनिया में एक बेहद बड़ा नाम हैं और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी खास पहचान रखते हैं। वे खासतौर पर पारंपरिक भारतीय बुनाई और हैंडलूम कला के प्रोत्साहन के लिए जाने जाते हैं। उनकी प्रसिद्ध जामदानी बुनाई की साड़ियां क्लासी और बेहद मेहनत से तैयार की जाती हैं, जिनका जादू बॉलीवुड से लेकर वैश्विक रैंप तक देखने को मिलता है।

सोनम कपूर, तापसी पन्नू, राधिका आप्टे और शिल्पा शेट्टी जैसे सितारे उनके डिजाइनों को पसंद करते हैं। डिजाइनर आंध्र प्रदेश के श्रीकाकुलम के आसपास के गांवों में आज भी हथकरघा कला को जिंदा रखने का काम कर रहे हैं। यहां पारंपरिक तरीके से हाथ से धागे तैयार किए जाते हैं और कपड़े बुने जाते हैं। गौरांग शाह इकत, कांजीवरम, उप्पदा और जामदानी जैसी क्लासिक साड़ियों पर विशेष काम करते हैं। साल 2019 में उन्हें तेलुगु फिल्म 'महानती' के लिए बेस्ट कॉस्ट्यूम डिजाइन अवॉर्ड भी मिल चुका है। इसके अलावा, वेब सीरीज 'मेड इन हेवन' में राधिका आप्टे के ब्राइडल आउटफिट के लिए भी काफी सराहे गए थे।

'मस्ती 4' में अपनी छवि को लेकर था डर : एलनाज नोरोजी

मुंबई (ए.)। भारतीय मनोरंजन जगत में फिल्मों व वेब सीरीज में बोल्ड कंटेंट को लेकर दर्शकों की प्रतिक्रिया पहले से कहीं अधिक विभाजित दिखाई देती है। ऐसे माहौल में जब कोई अभिनेता या अभिनेत्री एडल्ट-कॉमेडी जैसी संवेदनशील शैली में काम करने का निर्णय लेता है, तो यह उनके करियर के लिए एक बड़ा और जोखिम भरा कदम साबित हो सकता है।

इसी तरह की स्थिति का सामना अभिनेत्री एलनाज नोरौजी को तब करना पड़ा, जब उन्हें 'मस्ती 4' जैसी बोल्ड कॉमेडी फिल्म का प्रस्ताव मिला। एक खास बातचीत में एलनाज नोरौजी ने बताया कि शुरुआत में वे इस फिल्म के लिए उत्साहित कम और आशंकित ज्यादा थीं। उन्होंने कहा कि आज की ऑडियंस बोल्ड कॉमेडी को लेकर बहुत संवेदनशील हो चुकी है और इस तरह की फिल्मों पर लोगों की प्रतिक्रिया काफी तेज़ और कभी-कभी नकारात्मक भी होती है। उनके अनुसार कलाकार पर इस बात का बड़ा दबाव होता है कि ऐसे किरदार से उनकी छवि पर क्या प्रभाव पड़ेगा। उन्होंने स्वीकार किया कि उन्हें भी डर था कि कहीं 'मस्ती 4' में काम करने से उनके बारे में गलत धारणा न बन जाए। हालांकि, जैसे-जैसे उन्होंने फिल्म की कहानी पढ़ी और उसके कॉन्सेप्ट को समझा, उनका नजरिया धीरे-धीरे बदलता गया। एलनाज ने कहा कि 'मस्ती 4' केवल चुटकुलों और हल्की-फुल्की मजाकिया स्थितियों पर आधारित फिल्म नहीं है, बल्कि इसमें नए तत्व और अलग अंदाज का मनोरंजन जोड़ा गया है। उनके मुताबिक, फिल्म पहले के पार्ट्स की तुलना में अधिक आधुनिक और परिपक्व प्रस्तुति की कोशिश करती है। इसी वजह से उन्होंने इस प्रोजेक्ट से जुड़ने का निर्णय लिया।

लेदर स्कर्ट के साथ इन 5 स्टाइल को आजमाएं, लगेंगी सबसे ज्यादा आकर्षक

लेदर स्कर्ट एक ऐसा फैशन आइटम है, जो हर मौसम में चलन में रहता है। इसे आप अलग-अलग तरीकों से पहन सकती हैं। चाहे आप इसे पार्टी में पहनें या ऑफिस में, लेदर स्कर्ट हर जगह जचती है। इस लेख में हम आपको कुछ ऐसे आसान और असरदार स्टाइलिंग टिप्स देंगे, जिनसे आप अपनी लेदर स्कर्ट को और भी खास बना सकती हैं और उसे अपने अलग-अलग लुक्स में शामिल कर सकती हैं।

बुने हुए स्वेटर्स

लेदर स्कर्ट के साथ एक नरम और आरामदायक बुना हुआ स्वेटर पहनें। यह मेल न केवल आपको गर्म रखेगा, बल्कि आपको एक खास लुक भी देगा। अगर आपकी लेदर स्कर्ट काली है तो ग्रे या बेज रंग का स्वेटर चुनें। इससे आपका लुक साधारण होते हुए भी खास लगेगा। इसके अलावा आप स्वेटर को टक करके पहन सकती हैं ताकि आपकी कमर का हिस्सा भी दिखे और लुक पूरा लगे।

टर्टलनेक स्वेटर्स

अगर आप सर्दियों में लेदर स्कर्ट पहनना चाहती हैं तो इसके साथ एक या दो परतदार टर्टलनेक शर्ट्स पहनें। यह न केवल आपको गर्म रखेगा, बल्कि आपके लुक को भी खास बनाएगा। आप अलग-अलग रंगों की टर्टलनेक्स का उपयोग कर सकती हैं ताकि आपका लुक और भी आकर्षक लगे। इसके अलावा आप टर्टलनेक्स की लंबाई और डिजाइन पर भी ध्यान दे सकती हैं ताकि वे आपकी लेदर स्कर्ट के साथ अच्छी जचें।

ओवरसाइज्ड ब्लेजर

ओवरसाइज्ड ब्लेजर के साथ लेदर स्कर्ट एक शानदार मेल बनाता है। यह मेल न केवल आपको स्टाइलिश दिखाएगा, बल्कि आरामदायक भी रहेगा। आप किसी भी रंग के ओवरसाइज्ड ब्लेजर का चयन कर सकती हैं, लेकिन काले या ग्रे रंग के ब्लेजर सबसे ज्यादा अच्छे लगते हैं। इसके अलावा आप ब्लेजर की लंबाई और फिटिंग पर भी ध्यान दें ताकि आपका लुक और भी खास लगे और आपको आरामदायक महसूस हो।

बूट्स

बूट्स के साथ लेदर स्कर्ट एक बेहतरीन स्टाइल स्टेटमेंट बनाता है। ये बूट्स आपके लुक को एक अलग ही अंदाज देते हैं और आपको आरामदायक महसूस करवाते हैं। आप काले या भूरे रंग के बूट्स चुन सकती हैं, जो आपकी स्कर्ट के साथ अच्छी जचें। इसके अलावा इन बूट्स को पहनकर आप कहीं भी जा सकती हैं, चाहे वह पार्टी हो या कैजुअल आउटिंग। यह मेल आपको हर जगह स्टाइलिश दिखाएगा।

स्टेटमेंट स्कार्फ

स्टेटमेंट स्कार्फ आपके लेदर स्कर्ट लुक को और भी खास बना सकता है। आप किसी भी रंग या डिजाइन का स्टेटमेंट स्कार्फ चुन सकती हैं, जो आपकी स्कर्ट के साथ अच्छे लगे। यह न केवल आपको गर्म रखेगा, बल्कि आपके पूरे कपड़ों में चार चांद लगा देगा। इन सरल लेकिन असरदार स्टाइलिंग टिप्स को अपनाकर आप अपनी लेदर स्कर्ट को नए अंदाज में पहन सकती हैं और हर मौके पर अलग-अलग लुक पा सकती हैं।

शॉर्ट कार्डिगन को स्टाइल करना है आसान, बस अपनाएं ये 5 तरीके

शॉर्ट कार्डिगन एक फैशनेबल और आरामदायक कपड़ा है, जिसे आप अलग-अलग मौकों पर पहन सकती हैं। यह न केवल ठंड से बचाता है, बल्कि आपके लुक को भी खास बनाता है। इस लेख में हम आपको कुछ सरल और प्रभावी तरीके बताएंगे, जिनसे आप शॉर्ट कार्डिगन को अपनी रोजमर्रा की जिंदगी में आसानी से शामिल कर सकती हैं और हर मौके पर स्टाइलिश दिख सकती हैं।

जींस के साथ पहनें

शॉर्ट कार्डिगन को जींस के साथ पहनना एक बढ़िया तरीका हो सकता है। यह मेल न केवल आरामदायक होता है, बल्कि आपको एक स्मार्ट लुक भी देता है। आप डेनिम जींस या काली जींस दोनों के साथ इसे पहन सकती हैं। इसके अलावा आप इसे टॉप के ऊपर पहनकर भी स्टाइलिश दिख सकती हैं। इस तरह का लुक आपको हर मौके पर खास बनाएगा और आपको आत्मविश्वास से भर देगा।

स्कर्ट के साथ आजमाएं

अगर आप किसी खास मौके पर जाना चाहती हैं तो शॉर्ट कार्डिगन को स्कर्ट के साथ आजमाएं। यह मेल आपको एक आकर्षक और निखरा हुआ लुक देता है। आप सादी स्कर्ट या प्रिंट वाली स्कर्ट दोनों के साथ इसे पहन सकती हैं। इसके अलावा आप इसे बेल्ट के साथ भी पहन सकती हैं, जिससे आपका लुक और भी खास लगेगा। इस तरह का लुक आपको हर मौके पर स्टाइलिश दिखाएगा और आत्मविश्वास से भर देगा।

लेयरिंग का उपयोग करें

लेयरिंग एक अच्छा तरीका है अपने लुक को खास बनाने का। आप शॉर्ट कार्डिगन को टी-शर्ट या टैंक टॉप के ऊपर पहन सकती हैं। इससे न केवल आपका लुक अलग दिखेगा बल्कि आपको आरामदायक महसूस होगा। इसके अलावा आप इसे अलग-अलग रंगों के साथ मिलाकर अपने लुक में विविधता ला सकती हैं। इस तरह की लेयरिंग आपके स्टाइल को और भी खास बना सकती है और आपको हर मौके पर आत्मविश्वास से भर देती है।

औपचारिक मौकों पर भी करें उपयोग

औपचारिक मौकों पर भी आप शॉर्ट कार्डिगन का उपयोग कर सकती हैं। इसे फॉर्मल शर्ट और पैंट्स के साथ पहनकर आप एक पेशेवर दिख सकती हैं। यह मेल आपको स्मार्ट और पेशेवर लुक देता है, जिससे आप हर मौके पर खास दिखेंगी। इसके अलावा आप इसे हल्के रंगों के साथ पहनकर भी स्टाइलिश दिख सकती हैं। इस तरह का लुक आपको आत्मविश्वास से भर देता है और हर अवसर पर आपको अलग बनाता है।

एक्सेसरीज के साथ करें मेल

एक्सेसरीज आपके पूरे लुक को खास बनाते हैं। आप शॉर्ट कार्डिगन के साथ हल्की नेकलेस, कान की बालियां या घड़ी पहन सकती हैं, जिससे आपका स्टाइल और भी निखर कर आएगा। इसके अलावा आप इसे बेल्ट के साथ भी पहन सकती हैं, जिससे आपका लुक और भी खास लगेगा। इस तरह के एक्सेरीज आपके स्टाइल को और भी खास बना सकते हैं और आपको हर मौके पर आत्मविश्वास से भर देते हैं।

वापस मोटा हो जाऊंगा ' यशस्वी ने बढ़ाया केक तो रोहित शर्मा ने जोड़ लिए हाथ

जोहान्सबर्ग (ए.)। भारतीय क्रिकेट टीम के दिग्गज बल्लेबाज रोहित शर्मा इन दिनों अपनी फिटनेस को लेकर किस कदर संजीदा हो गए हैं, इसका एक मजेदार नजारा दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ सीरीज खत्म होने के बाद देखने को मिला। टेस्ट और टी20 क्रिकेट से संन्यास लेने के बाद अब पूरी तरह वनडे क्रिकेट पर फोकस कर रहे रोहित शर्मा ने अपनी डाइट को लेकर सख्त रवैया अपना लिया है। हाल ही में टीम होटल में जीत के जश्न के दौरान जब उन्हें केक खिलाने की कोशिश की गई, तो उन्होंने मजेदार अंदाज में इनकार कर दिया, जिसका वीडियो अब सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। वायरल वीडियो में देखा जा सकता है कि तीसरे वनडे मैच के बाद टीम इंडिया होटल में सीरीज जीत का जश्न मना रही थी। इस दौरान युवा स्टार यशस्वी जायसवाल केक काटते नजर आए। यशस्वी ने केक का एक टुकड़ा पहले विराट कोहली को खिलाया, जिसे उन्होंने खा लिया। लेकिन जैसे ही यशस्वी केक लेकर रोहित शर्मा की तरफ बढ़े, 'हिटमैन' ने तुरंत उसे खाने से मना कर दिया। रोहित ने यशस्वी को रोकते हुए कहा, मोटा हो जाऊंगा वापस। नहीं चाहिए भाई। रोहित का यह जवाब सुनकर वहां मौजूद विराट कोहली समेत सभी खिलाड़ी जोर-जोर से हंसने लगे। रोहित का यह अंदाज बताता है कि वह अतीत में फिटनेस को लेकर हुई आलोचनाओं को अब कितनी गंभीरता से ले रहे हैं। गौरतलब है कि पिछले कुछ समय में रोहित को उनके वजन और फिटनेस के चलते कई बार ट्रोल्स और आलोचकों का सामना करना पड़ा था। हालांकि, टेस्ट क्रिकेट छोडऩे के बाद उन्होंने अपनी फिटनेस पर जमकर काम किया है। इसका असर ऑस्ट्रेलियाई दौरे और अब दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ हुई सीरीज में उनकी विस्फोटक बल्लेबाजी और फील्डिंग में साफ दिखाई दिया। फिलहाल, रोहित का यह 'नो केक' वाला वीडियो फैंस के बीच चर्चा का विषय बना हुआ है।

यूएफसी फाइटर पूजा तोमर ने कहा, मार्शल आर्ट्स को क्रिकेट के बराबर देखना चाहती हूं

नई दिल्ली (ए.)। भारतीय मिक्स्ड मार्शल आर्ट्स फाइटर पूजा तोमर ने कहा है कि स्नष्ट में उनकी जीत ने भारत में मार्शल आर्ट्स के खेल को देखने का नजरिया बदल दिया है। तोमर ने जोर देकर कहा कि अगर देश में और ज्यादा लीग शुरू की जाती हैं, तो मार्शल आर्ट्स को क्रिकेट के बराबर का दर्जा मिल सकता है। पूजा तोमर ने बताया, मैं एक बहुत छोटे से गांव से आती हूं, और वहां से स्नष्ट तक का मेरा सफर काफी मुश्किल रहा है। UFC में अपनी ऐतिहासिक जीत के बाद, उन्होंने कहा, अब बहुत सारे इवेंट हो रहे हैं, और उनमें हमारे कई फाइटर्स उभर रहे हैं, जो भविष्य में UFC में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे। उनका मानना है कि ज्यादा लीग शुरू होने से भारतीय फाइटर्स को आगे आने का और बेहतर मौका मिलेगा। पूजा तोमर, जिनका जन्म 25 दिसंबर, 1993 को हुआ, UFC के स्ट्रॉवेट डिवीज़न में मुकाबला करने वाली पहली भारतीय मूल की महिला फाइटर हैं। उन्होंने 8 जून, 2024 को UFC में डेब्यू किया और अपनी पहली फाइट जीतकर यह उपलब्धि हासिल करने वाली पहली भारतीय महिला बनीं।

विराट कोहली ने रचा इतिहास, ये कारनामा करने वाले दुनिया के दूसरे खिलाड़ी बने

नई दिल्ली (ए.)। भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच तीन वनडे मैचों की सीरीज संपन्न हो गई। विशाखापत्तनम में शनिवार को खेले गए मुकाबले को 9 विकेट से जीतकर भारतीय टीम ने 3 वनडे मैचों की सीरीज पर 2-1 से कब्जा किया। तीसरे वनडे के शतकवीर यशस्वी जायसवाल को प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया, जबकि सीरीज में 2 लगातार शतक और एक अर्धशतक लगाने वाले विराट कोहली को सीरीज का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुना गया।

विराट ने वनडे फॉर्मेट में सबसे ज्यादा बार प्लेयर ऑफ द सीरीज का पुरस्कार जीतने के मामले में श्रीलंका के पूर्व कप्तान और दिग्गज खिलाड़ी सनथ जयसूर्या को पीछे छोड़ दिया। विराट कोहली ने रांची में खेले गए पहले वनडे में 135 रन, रायपुर में खेले गए दूसरे वनडे में 102 रन और विशाखापत्तनम में खेले गए तीसरे वनडे में नाबाद 65 रन की पारी खेली थी। कुल मिलाकर तीन मैचों में उन्होंने 302 रन बनाए और सीरीज के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी का खिताब जीता। वनडे क्रिकेट में यह 12वां मौका था, जब विराट ने सीरीज के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी का खिताब जीता।

विराट ने वनडे फॉर्मेट में सबसे ज्यादा बार सीरीज के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी का पुरस्कार जीतने के श्रीलंका के पूर्व कप्तान सनथ जयसूर्या के रिकॉर्ड को तोड़ा। जयसूर्या ने वनडे फॉर्मेट में 11 बार सीरीज के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी का पुरस्कार जीता था। बता दें कि जयसूर्या एक बेहतरीन और आक्रामक सलामी बल्लेबाज होने के साथ ही एक बेहतरीन गेंदबाज भी थे। कई बार बल्लेबाजी के साथ-साथ गेंदबाजी ने भी उन्हें सीरीज का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी बनाने में अपनी भूमिका अदा की।

वनडे फॉर्मेट में सबसे ज्यादा बार सीरीज के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी का पुरस्कार जीतने का रिकॉर्ड सचिन तेंदुलकर के नाम है। सचिन 15 बार यह खिताब जीत चुके हैं। दक्षिण अफ्रीका के पूर्व कप्तान शॉन पोलॉक 9 और वेस्टइंडीज के क्रिस गेल 8 बार ये खिताब जीतकर क्रमशः चौथे और पांचवें स्थान पर हैं।

बेंगलुरु फरवरी में भारत-नीदरलैंड डेविस कप मुकाबले की मेजबानी करेगा

बेंगलुरू (ए.)। भारत और नीदरलैंड के बीच सात-आठ फरवरी को होने वाले डेविस कप क्वालीफायर की मेजबानी का अधिकार विगत शुक्रवार को बेंगलुरु को मिला जिसने बोली में दिल्ली को पीछे छोड़ दिया। दिल्ली लॉन टेनिस संघ (डीएलटीए) ने इस साल फरवरी में टोगो की मेजबानी की थी और उसने भी इस अहम मुकाबले को आयोजित करने में दिलचस्पी दिखाई थी। बेंगलुरु ने पिछली बार 2017 में उज्बेकिस्तान के खिलाफ डेविस कप मुकाबले की मेजबानी की थी जिसमें मेजबान टीम 4-1 से जीत गई थी। कर्नाटक राज्य लॉन टेनिस संघ (केएसएलटीए) ने हाल में शहर में बिली जीन किंग कप प्ले-ऑफ की मेजबानी की थी। भारत ने सितंबर में विश्व ग्रुप एक के पहले दौर में स्विट्जरलैंड को हराकर क्वालीफायर चरण में जगह बनाई जबकि नीदरलैंड दूसरे दौर में अर्जेंटीना से इसी अंतर से हार गया था। यह 1993 के बाद यूरोपीय धरती पर भारत की पहली जीत थी। सुमित नागल और दक्षिणेश्वर सुरेश की अगुवाई में यह नतीजा 2019 में डेविस कप प्रारूप में बदलाव के बाद भारत का सबसे अच्छा प्रदर्शन था।

एमएलएस कप 2025: मेसी ने जीता एमवीपी, इंटर मियामी को चैंपियन बनाने में निभाई निर्णायक भूमिका

ब्यूनस आयर्स (ए.)। मेसी ने एमएलएस कप फाइनल में निर्णायक जीत के तुरंत कहा कि यह जीत तीन वर्षों की लगै मेहनत का नतीजा है। बता दें कि मेसी के एमएलएस कप में आने के फैसले को लेकर शुरुआत में कई सवाल उठे थे, लेकिन मौजूदा प्रदर्शन ने उन सभी आशंकाओं को शांत कर दिया है। जानकारी के अनुसार, मेसी ने कहा कि पिछले सीज़न में टीम शुरुआती दौर में ही बाहर हो गई थी, जबकि इस बार चैंपियन बनकर उन्होंने अपने लक्ष्य को पूरा किया है। फाइनल में मेसी ने न सिर्फ खेल को नियंत्रित किया बल्कि तीनों गोलों में अहम भूमिका निभाई। दो असिस्ट और लगातार दबाव बनाने की उनकी क्षमता ही इंटर मियामी को शानदार अंतर से आगे ले गई। गौरतलब है कि यह मेसी के करियर का 48वां बड़ा खिताब है, जिसने उन्हें क्लब और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सबसे सफल खिलाड़ियों की लाइन में और मजबूत कर दिया है। इंटर मियामी के कोच जावियर माशेरानो ने भी मैच के बाद मेसी के योगदान को लेकर बड़ी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि पिछले कुछ मुकाबलों में मेसी ने चोटों और थकान के बावजूद जिस तरह की प्रतिबद्धता दिखाई, वह बताता है कि टीम के प्रति उनका समर्पण कितना गहरा है। मौजूद जानकारी के अनुसार, माशेरानो ने स्वीकार किया कि वैंकूवर की टीम ने दबाव बनाया था और बराबरी के समय उनके पोस्ट से टकराए शॉट ने मैच का रुख बदलने से रोक लिया था। मैच के बाद मेसी ने जोर्डी अल्बा और सर्जियो बस्केट्स के संन्यास को लेकर भी भावुक संदेश साझा किया। उन्होंने कहा कि दोनों खिलाड़ियों ने अपने करियर में वह सब हासिल किया जिसकी किसी पेशेवर खिलाड़ी को कामना होती है और स्नस्स कप के साथ उनका विदा लेना बेहद ख़ास है। मेसी ने यह भी कहा कि अल्बा और बस्केट्स सिर्फ महान खिलाड़ी ही नहीं, बल्कि उनके निजी मित्र भी हैं, जिनके साथ यह सफर समाप्त होते हुए भी गर्व और भावनाओं से भरा हुआ महसूस किया जा रहा है और यही पल इस जीत को और महत्वपूर्ण बना रहा है क्योंकि इस खिताब ने उनके लंबे सफर को पूर्णता दी है।

टीम इंडिया को वर्ल्ड चैंपियन बनाने वाले कोच की नई पारी, अब इस टीम का थाम लिया हाथ; टी20 वर्ल्ड कप के लिए तैयार करेंगे प्लान

विंडहोक (ए.)। भारतीय क्रिकेट इतिहास में साल 2011 का वनडे वर्ल्ड कप बेहद खास है, जब टीम इंडिया ने 28 साल बाद ट्रॉफी पर कब्जा किया था। उस ऐतिहासिक जीत में महेंद्र सिंह धोनी के साथ अहम भूमिका निभाने वाले तत्कालीन हेड कोच गैरी कर्स्टन को अब एक नई जिम्मेदारी मिली है। दक्षिण अफ्रीका के इस दिग्गज को नामीबिया की राष्ट्रीय पुरुष क्रिकेट टीम का सलाहकार नियुक्त किया गया है। कर्स्टन अब नामीबिया के मुख्य कोच क्रेग विलियम्स के साथ मिलकर काम करेंगे और टीम को अगले साल होने वाले टी20 वर्ल्ड कप के लिए तैयार करेंगे।

अपनी इस नई नियुक्ति पर गैरी कर्स्टन ने खुशी जाहिर की है। उन्होंने कहा कि क्रिकेट नामीबिया के साथ जुड़ना उनके लिए सौभाग्य की बात है। उन्होंने नामीबिया के क्रिकेट इंफ्रास्ट्रक्चर की तारीफ करते हुए कहा कि उनका नया अत्याधुनिक क्रिकेट स्टेडियम इस बात का सबूत है कि वे दुनिया के सर्वश्रेष्ठ क्रिकेट देशों के साथ प्रतिस्पर्धा करने के लिए तैयार हैं। कर्स्टन ने बताया कि नामीबिया की सीनियर टीम

लगातार अच्छा प्रदर्शन कर रही है और वह आगामी टी20 विश्व कप के लिए टीम की तैयारियों में अपना योगदान देने के लिए बेहद उत्साहित हैं।

गैरी कर्स्टन का कोचिंग करियर बेहद शानदार और अनुभव से भरा रहा है। साल 2004 में क्रिकेट से संन्यास लेने के बाद उन्होंने कोचिंग की दुनिया में कदम रखा था। साल 2007 में उन्हें भारतीय टीम का मुख्य कोच बनाया गया, जिसके बाद 2011 में भारत विश्व विजेता बना। इसके बाद उन्होंने दक्षिण अफ्रीका की राष्ट्रीय टीम के अलावा दुनिया भर की कई टी20 फ्रेंचाइजी टीमों को भी कोचिंग दी। गौरतलब है कि साल 2024 में उन्होंने पाकिस्तान की पुरुष टीम के हेड कोच के रूप में भी जिम्मेदारी संभाली थी।

बतौर खिलाड़ी भी गैरी कर्स्टन का रिकॉर्ड बेमिसाल रहा है। उन्होंने साल 1993 में दक्षिण अफ्रीका के लिए टेस्ट डेब्यू किया था और अपने देश के लिए 100 से ज्यादा टेस्ट मैच खेले। 101 टेस्ट मैचों में उन्होंने 21 शतकों और 34 अर्धशतकों की मदद से 7289 रन बनाए। वहीं, वनडे क्रिकेट में उनके नाम 13 शतकों के साथ 6798 रन दर्ज हैं। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में उन्होंने अपना आखिरी मैच साल 2004 में खेला था, जिसके बाद से वह लगातार नए खिलाड़ियों को तराशने का काम कर रहे हैं।

विदेश समाचार

कराची की निकिता नागदेव का आरोप पति ने दिल्ली में दूसरी शादी रचाई, अब भारत में न्याय की मांग

कराची (ए.)। कराची में रहने वाली निकिता नागदेव ने विवाह के चार साल बाद अपने पति विक्रम नागदेव के खिलाफ सार्वजनिक अपील जारी की है। निकिता ने दावा किया कि 26 जनवरी 2020 को कराची में हिंदू रीति-रिवाजों से शादी के बाद विक्रम उन्हें एक महीने के भीतर भारत लेकर आए, लेकिन जल्द ही उनका रवैया बदल गया। मौजूद जानकारी के अनुसार 9 जुलाई 2020 को विक्रम ने निकिता को वीज़ा संबंधी दलील देते हुए अटारी बॉर्डर पर छोड़ दिया और जबरन पाकिस्तान वापस भेज दिया, जिसके बाद से उन्होंने कोई संपर्क या वापस बुलाने की पहल नहीं की है। संदेश में निकिता ने भावुक अपील करते हुए कहा कि यदि इस मामले में न्याय नहीं मिलता तो कई महिलाओं का सिस्टम पर विश्वास टूट सकता है। उनका कहना है कि विवाह के तुरंत बाद से ही ससुराल पक्ष का व्यवहार बदल गया था और जब उन्होंने पति के कथित संबंधों की शिकायत की तो उन्हें नजरअंदाज कर दिया गया। गौरतलब है कि लॉकडाउन अवधि में ही पति ने उन्हें दबाव में वापस भेज दिया था और उसके बाद न ही बात की और न ही बुलाने की प्रक्रिया शुरू की। बता दें कि 27 जनवरी 2025 को निकिता ने औपचारिक शिकायत दर्ज कराई जिसके बाद सिंधी पंच मेडिएशन एंड लीगल काउंसिल सेंटर ने दोनों पक्षों को नोटिस भेजते हुए सुनवाई की। हालांकि, मध्यस्थता असफल रही और 30 अप्रैल 2025 की रिपोर्ट में कहा गया कि चूंकि दोनों ही पक्ष भारतीय नागरिक नहीं हैं इसलिए मामला पाकिस्तान के अधिकार क्षेत्र में आता है और विक्रम को पाकिस्तान भेजे जाने की सिफारिश की गई है। इस बीच इंदौर सोशल पंचायत द्वारा भी मई माह में यही सुझाव दिया गया था। कलक्टर आशिष सिंह के अनुसार जांच की प्रक्रिया जारी है और रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। निकिता का कहना है कि वे अब भी कानूनी रूप से विवाहित हैं और पति द्वारा दूसरी शादी की तैयारी उनके सम्मान और अधिकारों के खिलाफ है। फिलहाल पूरा मामला न्यायिक और अंतरराष्ट्रीय प्रक्रियाओं के बीच उलझा हुआ है लेकिन निकिता लगातार यह उम्मीद जताती रही हैं कि उन्हें न्याय अवश्य प्राप्त होगा और उनका अधिकार सुरक्षित रखा जाएगा हैं।

यूरोपीय यूनियन को खत्म कर देना चाहिए', एक्स पर 140 मिलियन डॉलर के जुर्माने के बाद बोले एलन मस्क

न्यूयॉर्क ,07 दिसंबर । यूरोपीय यूनियन की ओर से 'एक्स' पर 140 मिलियन का जुर्माना लगाए जाने के बाद एलन मस्क का गुस्सा फूटा है। मस्क ने अपने 230 मिलियन फॉलोअर्स से कहा कि यूरोपीय यूनियन को खत्म कर देना चाहिए। एक्स पर ईयू के कंट्रोल करने के इरादे के टेस्ट के तौर पर देखी जा रही एक हाई-प्रोफाइल जांच के बाद सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर ब्लॉक के डिजिटल नियमों को तोडऩे के लिए 120 मिलियन यूरो यानी 140 मिलियन डॉलर का जुर्माना लगाया। यूरोपीय यूनियन के इस एक्शन की ट्रंप प्रशासन ने आलोचना की। जुर्माने के आहत मस्क ने एक्स पर पोस्ट किया, श्व को खत्म देना चाहिए और संप्रभुता अलग-अलग देशों को वापस मिलनी चाहिए, ताकि सरकारें अपने लोगों का बेहतर प्रतिनिधित्व कर सकें। X के खिलाफ यह जुर्माना यूरोपियन कमीशन द्वारा अपने डिजिटल सर्विसेज एक्ट के तहत कंटेंट पर लगाया गया पहला जुर्माना था। कमीशन ने कहा कि एक्स के पारदर्शिता दायित्व का उल्लंघन करने का दोषी है।

मेक्सिको के मिचोआकान राज्य में विस्फोट होने से कम से कम दो लोगों की मौत, सात घायल

मिचोआकान (ए.)। मेक्सिको के मिचोआकान राज्य में एक स्थानीय पुलिस थाने के बाहर विस्फोट होने से कम से कम दो लोगों की मौत हो गई जबकि सात लोग घायल हो गए। स्थानीय एवं संघीय सुरक्षा अधिकारियों ने यह जानकारी दी। कोआहुआयाना पुलिस के कमांडर हेक्टर जेपेदा ने शनिवार को कहा कि विस्फोट में दो पुलिस अधिकारियों की मौत हो गई जबकि घायलों में आम लोग शामिल हैं। उन्होंने कहा कि कुछ लोग विस्फोट स्थल से काफी दूर पड़े मिले। विस्फोट के कारण आसपास की इमारतों को भी नुकसान हुआ है।

पाकिस्तान की डूबती नैया, अफगानिस्तान से दुश्मनी बनी वजह

इस्लामाबाद (ए.)। पाकिस्तान की वर्तमान सैन्य और विदेश नीतियों की तीखी आलोचना करते हुए पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के नेता अब्दुल समद याकूब ने चेतावनी दी है कि अफगानिस्तान के साथ देश के बिगड़ते संबंध और इसकी दोषपूर्ण आंतरिक रणनीतियां पाकिस्तान को और अधिक क्षेत्रीय अलगाव और आर्थिक पतन की ओर धकेल रही हैं। याकूब ने पीटीआई संस्थापक की चिंताओं को साझा किया, जो इमरान खान द्वारा सेना प्रमुख जनरल असीम मुनीर को हाल ही में दी गई चेतावनी के बाद सामने आई हैं। याकूब ने सैन्य प्रतिष्ठान पर विनाशकारी नीतियों को आगे बढ़ाने का आरोप लगाया है जो पाकिस्तान की राष्ट्रीय प्राथमिकताओं के बजाय व्यक्तिगत या विदेशी हितों को पूरा करती हैं। याकूब ने पश्चिमी सीमा पर बढ़ती असुरक्षा पर प्रकाश डाला, और उनके अनुसार यह स्थिति पूर्वी सीमा पर पाकिस्तान के पारंपरिक ध्यान से एक बड़ा बदलाव है।

उन्होंने कहा कि अतीत में हमें अपनी पूर्वी सीमा पर भारत के साथ तनाव का सामना करना पड़ा था। लेकिन आज, अफ़ग़ानिस्तान के साथ हमारी पश्चिमी सीमा भी असुरक्षित हो गई है, जिसकी कभी उम्मीद नहीं थी। उन्होंने आगे कहा कि पाकिस्तान के टकराव वाले रुख ने कभी भाईचारे वाले देश को एक शत्रुतापूर्ण पड़ोसी में बदल दिया है। पीटीआई नेता ने व्यापार मार्गों को सील करने और सीमा पार आवाजाही पर प्रतिबंध लगाने के सरकार के फैसले की आलोचना करते हुए इसे खुद पर लगाया गया घाव बताया जो क्षेत्रीय कूटनीति और आर्थिक स्थिरता, दोनों को कमज़ोर करता है। उन्होंने कहा कि व्यापार और सहयोग को बढ़ावा देने के बजाय, वे वाणिज्य के लिए जगह भी छीन रहे हैं। इससे पाकिस्तान अंतरराष्ट्रीय समुदाय में और अलग-थलग पड़ रहा है।

मशरूम के शौकीन हो जाएं सावधान! स्वाद के चक्कर में जा सकती है जान; अमेरिका ने जारी की चेतावनी

न्यूयॉर्क (ए.)। अगर आप भी मशरूम खाने के शौकीन हैं, तो यह खबर आपके लिए बेहद जरूरी है। स्वाद के चक्कर में कहीं आप अपनी जान न जोखिम में डाल लें, क्योंकि अमेरिका से एक डराने वाली खबर सामने आई है। यहां जंगली मशरूम खाने से न केवल लोगों के लिवर डैमेज हो रहे हैं, बल्कि जान भी जा रही है। अमेरिका के कैलिफोर्निया में जहरीले 'डेथ कैप' मशरूम खाने से एक वयस्क की मौत के बाद हडक़ंप मच गया है। हालात की गंभीरता को देखते हुए अधिकारियों ने स्वास्थ्य चेतावनी जारी करते हुए लोगों को जंगली मशरूम न खाने की सख्त सलाह दी है। कैलिफोर्निया के स्वास्थ्य विभाग ने बताया कि राज्य में हाल ही में जहरीले मशरूम खाने से कई लोग गंभीर रूप से बीमार पड़े हैं, जिनमें बच्चे भी शामिल हैं। इन मरीजों के लिवर को गंभीर नुकसान पहुंचा है और पॉइजन कंट्रोल सिस्टम ने अब तक अमाटॉक्सिन विषाक्तता के 21 मामले दर्ज किए हैं। स्वास्थ्य अधिकारियों के मुताबिक, यह सब 'डेथ कैप' मशरूम का नतीजा है। यह जहरीला मशरूम दिखने और स्वाद में बिल्कुल सामान्य खाने योग्य मशरूम जैसा ही होता है, जिसके चलते लोग धोखे का शिकार हो जाते हैं। कैलिफोर्निया स्वास्थ्य विभाग की निदेशक एरिका पैन ने बताया कि इस मशरूम में खतरनाक विष होता है जो लिवर फेलियर का कारण बनता है। उन्होंने लोगों से अपील की है कि इस उच्च जोखिम वाले मौसम में जंगली मशरूम चुनने और खाने से पूरी तरह बचें। बारिश के मौसम में इन जहरीले मशरूमों की पैदावार तेजी से बढ़ती है। मध्य कैलिफोर्निया के मॉन्टेरी काउंटी और सैन फ्रांसिस्को बे एरिया में पार्कों से तोड़े गए मशरूम खाने से कई लोग बीमार पड़े हैं। स्थिति इतनी गंभीर है कि एक मरीज को लिवर ट्रांसप्लांट की जरूरत पड़ सकती है।

आंकड़ों पर गौर करें तो साल 2023 में अमेरिका के पॉइजन सेंटरों में अज्ञात मशरूम के संपर्क में आने के 4,500 से अधिक मामले सामने आए थे, जिनमें आधे से ज्यादा शिकार छोटे बच्चे थे जो खेल-खेल में इन्हें खा लेते हैं। विशेषज्ञों ने चेतावनी दी है कि इस जहर की पहचान करना आम आदमी के बस की बात नहीं है। रंग देखकर इसके विषैलेपन का पता नहीं लगाया जा सकता और न ही इसे पकाने से इसका जहर खत्म होता है। खतरनाक बात यह है कि जहरीला मशरूम खाने के 24 घंटे के अंदर पेट में मरोड़, उल्टी या दस्त जैसे लक्षण दिखते हैं, जो दवा लेने पर कुछ समय के लिए ठीक भी हो जाते हैं। लेकिन लक्षणों में यह सुधार धोखा हो सकता है, क्योंकि इसके बाद ही लिवर को असली नुकसान पहुंचना शुरू होता है। इसलिए स्वास्थ्य विभाग ने साफ कहा है कि किसी भी तरह के जंगली मशरूम से दूरी बनाए रखना ही समझदारी है।

भूकंप से दहली अमेरिका और कनाडा की धरती, 7.0 मापी गई तीव्रता; दहशत में आए लोग

अलास्का (ए.) । अलास्का और कनाडा की सीमा के पास भूकंप के तेज झटके महसूस किए गए हैं। रिएक्टर स्केल पर भूकंप की तीव्रता 7.0 आंकी गई है। अलास्का और कनाडा दोनों तरफ समुद्र से घिरे हैं। ऐसे में भूकंप के बाद सभी को सुनामी का डर सता रहा था, लेकिन अभी तक सुनामी की कोई भी चेतावनी जारी नहीं हुई है। अलास्का और कनाडा के अधिकारियों का कहना है कि यह भूकंप अलास्का और कनाडा के युकोन क्षेत्र की सीमा के पास देखने को मिला है। भूकंप की तीव्रता काफी तेज थी, लेकिन इससे किसी के हताहत होने की खबर नहीं मिली है। अमेरिकी भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के अनुसार, अलास्का के जूनो से लगभग 230 मील (370 किलोमीटर) उत्तर-पश्चिम और युकोन के व्हाइटहॉर्स से 155 मील (250 किलोमीटर) की दूरी पर भूकंप आया था। व्हाइटहॉर्स की रॉल कैनेडियन माउंटेड पुलिस सार्जेंट कैलिस्टा मैकलियोड ने बताया, भूकंप के बाद 911 पर फोन आया। भूकंप के झटके इतने तेज थे कि सभी ने इन्हें महसूस किया। सोशल मीडिया पर भी इससे जुड़े कई रिएक्शन सामने आ रहे हैं।

राज्यसभा सांसद माया नारोलिया ने आर्ष गुरुकुल नर्मदापुरम में पुस्तकालय भवन निर्माण का किया भूमिपूजन

नर्मदापुरम (निप्र)। राज्यसभा सांसद श्रीमती माया नारोलिया ने रविवार को आर्ष गुरुकुल नर्मदापुरम परिसर में पुस्तकालय भवन कक्ष निर्माण कार्य का भूमिपूजन किया। यह निर्माण कार्य राज्यसभा सांसद श्रीमती नारोलिया की सांसद निधि 10 लाख की राशि से कराया जा रहा है। भूमि पूजन स्वामी ऋतस्पति परिवाजक नैस्टिक के आचार्यत्व में धार्मिक विधि विधान से सम्पन्न हुआ।

भूमिपूजन समारोह में नगर पालिका अध्यक्ष नीतू महेंद्र यादव, कुंवर सिंह यादव, अखिलेश खंडेलवाल, भारत सिंह राजपूत, मनोहर बडानी, राजेश तिवारी, अमित माहला, लक्ष्मण सिंह बेस, संजीव मालवीय, विकास नारोलिया, रूपेश राजपूत, विपिन यादव, दीपक महालह, विधायक प्रतिनिधि महेन्द्र यादव, पार्षद बिंदिया मांझी, पार्षद निर्मला हंसराय, प्रशांत पालीवाल, सुमित गौर, कमल चव्हाण, संतोष मीना, योगेन्द्र सोलंकी, सचिन तोमर, सुचित्रा यादव, चंचल राजपूत, वंदना महतो, मनीष परदेशी, हरि शर्मा, धर्मेंद्र जाट, अनूप रिझारिया, वैजन्ती, सौम्या राजपूत, पंकज बरगले, ऋषभ शुक्ल, गुरुकुल के स्वामी सप्तसिंधु जी, ब्रह्मचारीगण सहित बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित रहे। इस अवसर पर अतिथियों ने आर्ष गुरुकुल परिवार के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि शिक्षा के क्षेत्र में किया जा रहा यह कार्य समाज के लिए प्रेरणादायी है। सभी ने विद्यालय के उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

बीटीआई में 31 लाख से बन रही सड़क का राज्यसभा सांसद और नपाध्यक्ष ने किया निरीक्षण

नर्मदापुरम (निप्र)। नगरपालिका द्वारा नगर विकास के लगातार कार्य किए जा रहे हैं। चौक चौराहों का सौंदर्यीकरण और चौड़ीकरण के साथ ही वार्ड के नागरिकों की सुविधाओं का ध्यान रखा जा रहा है। नपा द्वारा किए जा रहे कार्य का समय समय पर जनप्रतिनिधिगणों द्वारा निरीक्षण किया जाता है। आज वार्ड 27 बीटीआई में 31 लाख से बन रही सड़क का राज्यसभा सांसद माया नारोलिया और नगरपालिका अध्यक्ष नीतू महेंद्र यादव द्वारा निरीक्षण किया गया। इस दौरान नपाध्यक्ष द्वारा सड़क की गुणवत्ता का अवलोकन कर निर्माण एजेंसी को समय सीमा में कार्य पूर्ण के करने के निर्देश दिए गए। निरीक्षण के दौरान वार्ड पार्षद बिंदिया मांझी और निर्माण एजेंसी के कर्मचारी उपस्थित थे। नपाध्यक्ष श्रीमती यादव ने बताया कि निरीक्षण के दौरान पूर्व नपाध्यक्ष और राज्य सभा सांसद श्रीमती नारोलिया द्वारा नपाध्यक्ष रहते हुए किए गए नगर विकास के कार्यों के अपने अनुभव सांझा किए।

समेरिटन्स स्कूल इटारसी के विधार्थियों ने देखा आंचलिक विज्ञान केंद्र

नर्मदापुरम (निप्र)। समेरिटन्स स्कूल इटारसी के विधार्थियों ने शैक्षणिक भ्रमण के दौरान भोपाल स्थित आंचलिक विज्ञान केंद्रका भ्रमण किया। इस भ्रमण में कक्षा तीसरी से कक्षा आठवीं के विद्यार्थी शामिल रहे। प्राचार्य प्रशांत दीक्षित ने बताया कि विधार्थियों ने यहाँ पर विज्ञान के कई सिद्धांतों को प्रयोगों के माध्यम से समझा। इन में थ्रीडी शो, एसएलडी शो, तारा मंडल दर्शन शामिल थे। विधार्थियों ने दर्पणों की भूल भूलैया, विद्युत उत्पादन, सौर ऊर्जा, नाभिकीय ऊर्जा उत्पादन के बारे में विस्तार से जानकरी प्राप्त की। श्री दीक्षित ने बताया कि शैक्षणिक भ्रमण से विधार्थियों को व्यावहारिक ज्ञान, टीम वर्क, अनुशासन सीखने को मिला, उन्होंने कहा कि आगे भी विधार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए ऐसे शैक्षणिक भ्रमण का आयोजन होता रहेगा।

जय हो समिति - माँ नर्मदा घाट स्वच्छता अभियान 279वाँ सप्ताह

नर्मदापुरम (निप्र)। माँ नर्मदा की पवित्र धरा को स्वच्छ एवं निर्मल बनाए रखने के संकल्प के साथ जय हो समिति द्वारा संचालित माँ नर्मदा घाट स्वच्छता अभियान का 279वाँ सप्ताह आज सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। इस अवसर पर समिति के साथियों ने विवेकानंद घाट परिसर में

श्रमदान कर स्वच्छता का संदेश दिया। अभियान के दौरान प्लास्टिक, पॉलीथिन एवं अन्य अपशिष्ट सामग्री को एकत्र कर उचित स्थान पर निस्तारित किया गया। समिति द्वारा उपस्थित जनों को स्वच्छता के प्रति जागरूक रहने, नदी संरक्षण में सक्रिय भागीदारी निभाने तथा भविष्य की पीढ़ियों के लिए पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लेने हेतु प्रेरित किया गया। सफाई करने वालों में समिति अध्यक्ष अर्पित मालवीय सहित समिति के सदस्य विशाल बावरिया, राजेश वर्मा, गणेश यादव, सागर पटेल, रमेश उपरारिया, संजू प्रजापति, अजय बावरिया, सौरभ वर्मा, परि उपरारिया, प्रियांशु मालवीय, श्रेयांश केवट, बद्री केवट, अनुराग वर्मा, राजा मालवीय, कौशिक बावरिया, पीतांबर चक्रवर्ती, श्रेयांश गौर उपस्थित रहे।

मतदान केन्द्र क्रमांक 24 एवं 25 पर मतदाताओं से चर्चा कर एसआईआर के कार्य में सर्च नहीं हुये मतदाताओं की लिस्ट का वाचन किया

नर्मदापुरम (निप्र)। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार मध्यप्रदेश में मतदाता सूची गहन पुनरीक्षण का कार्य किया जा रहा है। इस कार्य में गणना पत्रक के डिसटाईजेसन के उपरांत जो मतदाता सर्च नहीं हो रहें हैं या स्थानांतरित हो गये हैं उनकी जानकारी प्राप्त करने का प्रयास किया जा रहा है। इसी क्रम में होशंगाबाद विधानसभा 137 अंतर्गत ग्राम पंचायत बुधवाडा के मतदान केन्द्रं क्रमांक 24 बुधवाडा एवं मतदान केन्द्र क्रमांक 25 आगरा कला का निरीक्षण किया में एसआईआर के कार्य में जो नाम शेष बचे हैं एवं जो सर्च नहीं हो पा रहे हैं उन नामों की सूची का वाचन मतदान केन्द्र पर किया गया। साथ ही ग्रामीणों से नाम सर्च कराने के लिय सहयोग की अपेक्षा भी की। मतदाता सूची वाचन के दौरान बीएलओ अनीता शर्मा एवं अमिता गौर सहित ग्राम के सरपंच श्री राम दुलारे यादव, मांगीलाल यादव भूतपूर्व सरपंच, लीलाधर बरेले पंच, संतोष मेहरा ग्राम कोटवार, किरण राजेरिया आंगनवाड़ी कार्यकर्ता कृष्णा कुशवाहा आंगनवाडी सहायिका शिक्षक अंजू लता तिवारी, पज्ञा शर्मा, सुनील गौर, ग्राम के चंद्राबाई सविता यादव सुनील सेलुकर सहित दर्जनों मतदाता दोंनों मतदान केन्द्रों पर उपस्थित रहे।

केन्द्रीय जेल नर्मदापुरम खण्ड-अ में जिला चिकित्सालय नर्मदापुरम (मन कक्ष) द्वारा मानसिक स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया

नर्मदापुरम (निप्र)। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन भोपाल एवं जेल मुख्यालय म.प्र. भोपाल के आदेश के अनुपालन में प्रतिमाह के प्रथम सप्ताह में एक

दिवसीय मानसिक स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया जाना है जिसमे अनुक्रम में 06 दिसम्बर 2025 को केन्द्रीय जेल नर्मदापुरम के खण्ड-अ में निरूद्ध बंदियो हेतु जिला चिकित्सालय नर्मदापुरम मन कक्ष द्वारा एक दिवसीय मानसिक स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। आयोजित शिविर में जिला चिकित्सालय नर्मदापुरम मन कक्ष से सुश्री नाजिया सिद्धिकी (क्लीनिकल सॉयक्लोजिस्ट), श्रीमति निधि पटवा नर्सिंग ऑफिसर द्वारा परिरुद्ध 49 पुरुष बंदी एवं 16 महिला बंदी कुल 63 बंदियो की स्क्रीनिंग कर परामर्श दिया गया।

स्वत्वाधिकारी, सम्पादक, मुद्रक, प्रकाशक एव ब्यूरों प्रमुख श्री कृष्णकांत सक्सेना की ओर से आलोक प्रेस,तलैया भोपाल एव श्री बालाजी प्रिंटर्स, प्लाट नं. 21, सेक्टर-एच, इंडस्ट्रियल एरिया, गोविंदपुरा भोपाल से मुद्रित तथा ''शिवरानी भवन'', क्षितिज किरण स्ट्रीट, कोठी बाजार, नर्मदापुरम (होशंगाबाद) से प्रकाशित। स्थानीय ब्यूरों प्रमुख श्री बलराम शर्मा सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा। मो. 9425025999 (नर्मदापुरम मो. 9926434695) ई-मेल - dainikkshitijkiran@gmail.com, वेबसाइट- www.kshitijkiran.com